Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 296 ● वर्ष : 11 ● रायपुर, शुक्रवार 24 मई 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जिस व्यक्ति का असत्य की ओर झुकाव होता है उसके ऊपर सत्य का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

The man who has greater propensity to untruth, truth does not impress him at all.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

पंजाब में कांग्रेस को लगा झटका, भाजपा में शामिल हुए हरमिंदर सिंह जस्सी

चंडीगढ़ (आरएनएस)। लोकसभा चुनाव से पहले पंजाब में कांग्रेस को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। कांग्रेस के पूर्व विधायक हरमिंदर सिंह जस्सी ने गुरुवार को भाजपा का दामन थाम लिया। जस्सी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, कई बार के विधायक और पंजाब सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। जस्सी, सिरसा के डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम के समधी हैं। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर और भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह प्रमुख संजय मयूख की मौजूदगी में पार्टी मुख्यालय में हरमिंदर सिंह जस्सी ने गुरुवार को भाजपा का दामन थाम लिया। भाजपा का दामन थामने के बाद जस्सी ने भी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त करते हुए पार्टी के लिए काम करने की बात कही।

बिहार के मुंगेर में बुद्ध पूर्णिमा पर गंगा स्नान के लिए घाटों पर उमड़े लोग

मुंगेर (आरएनएस)। बिहार के मुंगेर जिले में गुरुवार को वैशाख पूर्णिमा या बुद्ध पूर्णिमा के दिन विभिन्न गंगा घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालु गंगा में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। शहर के कष्टहरणी घाट, सोझी घाट, लाल दरवाजा घाट, शंकरपुर घाट, श्यामपुर घाट, महुली घाट, टीकारामपुर घाट, घोरघट घाट, बरियारपुर घाट, नौवागढ़ी घाट, मनियारचक घाट, तारापुर दियारा पंचायत घाट सहित विभिन्न गंगा घाटों पर श्रद्धालु सुबह से ही गंगा स्नान के लिए पहुंच रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय ने जमशेदपुर में किया भव्य रोड शो

रायपुर/जमशेदपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुरुवार को जमशेदपुर में सांसद एवं भाजपा प्रत्याशी विद्युत वरण महतो के पक्ष में समर्थन के लिए भव्य रोड शो किया। रोड शो यहां साकची स्थित बोधि मंदिर मैदान प्रारंभ हुआ जो स्ट्रेट माइल रोड होते हुए एग्रिको मैदान पहुंचकर सम्पन्न हुआ। रोड शो के दौरान शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों के द्वारा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं विद्युत महतो का स्वागत करने की तैयारी की गई थी। इस दौरान कार्यकर्ताओं का जोश भूतपूर्व था। सड़क के दोनो तरफ भारी भीड़ जमा थी। श्री साय ने यहां आम जनता और जमशेदपुर भाजपा का आभार व्यक्त किया है।

जमशेदपुर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ली प्रेससवार्ता : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जिला भाजपा की ओर से आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जिस राज्य का मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में हो, उस राज्य के लिए इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या होगा. यहां एक मंत्री भी ईडी की गिरफ्त में हैं. उनके नौकर के यहां से करोड़ों रुपये बरामद हुए हैं. यह सब राज्य के लिए चिंतनीय विषय है. श्री साय यहां सांसद व भाजपा प्रत्याशी विद्युत वरण महतो के पक्ष में रोड शो में शामिल होने आये थे. उन्होंने कहा कि राज्य में जब डबल इंजन की सरकार नहीं होने के कारण यहां के लोगों को केंद्र की सभी योजनाओं का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है. इंडी गठबंधन की सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है. एक बार भी नक्सलवाद पनपने लगा है. इसके अलावा राजनैतिक अस्थिरता की वजह से राज्य का विकास अवरुद्ध है और राज्य सरकार की नीतियों के कारण नक्सलवाद यहाँ फिर से पनप रहा है.

छत्तीसगढ़ और झारखंड जुड़वा भाई : विष्णुदेव साय ने कहा कि झारखंड और छत्तीसगढ़ जुड़वा भाई हैं. स्व अटल बिहारी वाजपेयी ने एक साथ इन दोनों प्रदेशों के साथ ही उत्तरांखंड प्रदेश का भी गठन किया था. छत्तीसगढ़ में 15 वर्ष तक भाजपा सत्ता में रही. सिर्फ एक बार कांग्रेस के लोक-लुभावनी घोषणाओं को मान कर उसे सत्ता में लाया, लेकिन वह जनता की उम्मीदों व विश्वास पर खरा नहीं उतरी. परिणाम यह हुए कि छत्तीसगढ़ में वर्ष 2023 में संपन्न विधानसभा चुनाव में पुन: भाजपा के पक्ष में जनादेश आया और पार्टी की सरकार बनी.

सभी सीटों पर होगी भाजपा की जीत : इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व, उनके कार्यों आदि की भी सराहना की. साथ ही कहा कि झारखंड समेत पूरे देश में भाजपा व नरेंद्र मोदी के पक्ष में लहर है. झारखंड की जनता इस बार इंडी गठबंधन के भ्रष्टाचार का मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी में है. जमशेदपुर संसदीय सीट पर भाजपा प्रत्याशी विद्युत वरण महतो समेत राज्य की सभी 14 सीटों पर इस बार भाजपा का कब्जा होगा. इसके साथ ही छत्तीसगढ़ की सभी 11 सीटों पर भी भाजपा प्रत्याशियों की जीत हो रही है. एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि आदिवासी भी महादेव व पार्वती के उपासक होते हैं. कहीं महादेव व पार्वती या कहीं गौरा-गौरी के नाम से पूजा की जाती है. उन्होंने बताया कि वह भी आदिवासी समुदाय से ही हैं. आदिवासी से बड़ा हिंदू कोई नहीं होता. संवाददाता सम्मेलन में छत्तीसगढ़ से धरम लाल कौशिक एवं भूपेंद्र सवन्नी सहित झारखंड से सुधांशु ओझा, नंदजी प्रसाद, अनिल मोदी, प्रेम झा समेत अन्य उपस्थित थे।

कलकत्ता उच्च न्यायालय का ओबीसी संबंधी आदेश विपक्ष के गाल पर करारा तमाचा : पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में 2010 से '77 वर्गों (समुदायों)' को दिए गए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के दर्जे को रद्द करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले को विपक्ष के लिए 'एक करारा तमाचा' बताया और आरोप लगाया कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन का ''तुष्टीकरण का जुनून' हर सीमा को पार कर गया है।

उच्च न्यायालय ने बुधवार को अपने फैसले में कहा कि इन वर्गों को ओबीसी घोषित करने में 'धर्म वास्तव में एकमात्र मापदंड जान पड़ता है।' पीठ ने कहा कि अदालत का मन इस संदेह से मुक्त नहीं है कि 'राजनीतिक लाभ के लिए उक्त समुदाय (मुसलमान) को वस्तु के रूप में समझा गया।' उच्च न्यायालय ने कहा, 'यह उन घटनाओं की श्रृंखला से स्पष्ट है जिनके फलस्वरूप 77 वर्गों को ओबीसी श्रेणियों में डाला गया और उन्हें इस श्रेणी में डालकर वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया गया।'

मोदी ने यहां द्वारका में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब भी वह 'मुस्लिम' शब्द बोलते हैं, तब उन पर सांप्रदायिक बयान देने का आरोप लगाया जाता है। उन्होंने कहा कि वह तो बस 'तथ्यों को सामने लाकर' विपक्ष को 'बेनकाब' कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 'इंडी' गठबंधन को बड़ा तमाचा जड़ा है। अदालत ने 2010 से जारी किए गए सभी ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द कर दिए हैं। क्यों? क्योंकि पश्चिम बंगाल सरकार ने महज वोट बैंक की खातिर मुसलमानों को अवांछित ओबीसी प्रमाण पत्र जारी किए।'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'उन्होंने (विपक्षी गठबंधन) तुष्टीकरण के अपने जुनून में हर सीमा लांघ दी है।' मोदी ने कहा, 'ये लोग कहते हैं कि मुसलमानों का देश के संसाधनों पर पहला हक है। ये लोग वक्फ बोर्ड को सरकारी जमीन दे रहे हैं और वोट मांग रहे हैं। ये लोग अल्पसंख्यकों के लिए 15 प्रतिशत बजट आरक्षित करना चाहते हैं। वे धर्म के आधार पर बैंक ऋण, सरकारी ठेके और यहां तक कि खेलों में प्रवेश देना चाहते हैं। यह वोट बैंक की राजनीति का चरम है।'

संसद, विधानसभा, सरकारी नौकरियों में महिलाओं को देंगे 50 प्रतिशत आरक्षण : राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में गुरुवार को आयोजित महिला न्याय संवाद में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि वे राज्यसभा, लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को जगह देंगे।

उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि यहां 50 प्रतिशत महिलाएं हों। महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। जब तक महिलाओं को भागीदारी नहीं मिलेगी तब तक यह देश प्रगति नहीं कर सकता है। उत्तर पश्चिमी दिल्ली से कांग्रेस उम्मीदवार उदित राज को वोट देने की अपील करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि महिला और पुरुष दोनों ही काम पर जाते हैं, लेकिन, जब महिला घर लौटती है तो उसकी दूसरी शिफ्ट चालू होती है। वह बच्चों को पालती हैं, बच्चे बीमार हों तो उनकी देखभाल करती हैं। घर में खाना बनाती हैं, सबका ध्यान रखती हैं और इसके लिए महिलाओं को कभी कुछ नहीं दिया जाता। वह एक प्रकार से यह सबकुछ फ्री में करती हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह सच्चाई है कि यदि हिंदुस्तान के पुरुष 8 घंटे काम करते हैं तो महिलाएं 16 घंटे काम करती हैं। महिलाओं और पुरुषों में पैसे खर्च करने का तरीका अलग-अलग है। महिलाएं पैसे बचाती हैं, बच्चों के बारे में सोचती हैं, आगे की प्लानिंग करती हैं। महिलाओं की फाइनेंशियल सोच पुरुषों के मुकाबले बेहतर है। महिलाओं के ये जो 8 घंटे हैं, सरकार उसके लिए महिलाओं को पैसा देगी। हम नहीं चाहते कि आप फ्री में काम करो इसलिए हम महालक्ष्मी योजना लाए हैं। महालक्ष्मी योजना में 8,500 प्रति माह यानी एक लाख रुपए साल के महिलाओं के बैंक अकाउंट में जाएंगे।

कलकत्ता हाईकोर्ट का निर्णय धर्म आधारित तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों के मुंह पर तमाचा: विष्णुदेव साय

रायपुर (विसं)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि धर्म आधारित आरक्षण पर कलकत्ता उच्च न्यायालय का निर्णय स्वागत योग्य है। यह धर्म आधारित वोटबैंक की राजनीति करने वालों, तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों के मुंह पर तमाचा है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन लगातार संविधान की हत्या की साजिश कर रही है। हम सभी जानते हैं कि धर्म आधारित आरक्षण का भारतीय संविधान में कोई स्थान नहीं है। कल माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय का इससे संबंधित एक फ़ैसला आया है जिसमें कोर्ट ने 2010 के बाद पश्चिम बंगाल में जारी किए गए सभी धर्म आधारित ओबीसी प्रमाणपत्रों को रद्द कर दिया है। यह देश के ओबीसी, आदिवासी और तमाम पिछड़े समाजों के लिए बड़ा फैसला है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि ये फैसले बताते हैं कि ममता बनर्जी की सरकार गैर-संवैधानिक तरीके से, तुष्टिकरण की नीति को आगे बढ़ा रही थी। इंडी गठबंधन केवल वोट बैंक की राजनीति के कारण लगातार आदिवासियों, पिछड़ों के हक़ पर डाका डाल रही है, उनका अधिकार छीन कर मुसलमानों को देना चाहती है, इसकी जितनी निंदा की जाय वह कम है। उन्होंने कहा कि इससे भी अधिक गंभीर बात यह है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि वे इस निर्णय को नहीं मानेंगी, और नहीं लागू करेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यजनक है। हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी भी लगातार यह स्पष्ट कर रहे हैं कि धर्म आधारित किसी आरक्षण का भारत के संविधान में कोई स्थान नहीं है। लगातार संविधान के बारे में दुष्प्रचार करने वाली कांग्रेस को बताना चाहिए कि इस तरह इंडी गठबंधन द्वारा किए जा रहे इस कृत्य पर उसका क्या कहना है? भाजपा जहां परिश्रम की पराकाष्ठा कर रही है, वहीं कांग्रेस और उसका गठबंधन तुष्टिकरण की पराकाष्ठा पार कर हर हद पार कर रही है।

पीएम सुनक ने ब्रिटेन में 4 जुलाई को मध्यावधि चुनाव का आह्वान किया, उपलब्धियां गिनाईं

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने जुलाई में समय से पहले आम चुनाव कराने का आह्वान कर सबको चौंका दिया। बारिश के बीच 10, डाउनिंग स्ट्रीट स्थित अपने आवास के बाहर पत्रकारों को संबोधित करते हुए पीएम सुनक ने कहा कि उन्होंने पहले किंग चार्ल्स से 30 मई को संसद भंग करने के लिए कहा था और इसकी अनुमति दे दी गई। अब तय हो गया कि चुनाव 4 जुलाई को होंगे। हालांकि चुनाव वर्ष के अंत में प्रस्तावित थे।

यह देखते हुए कि पिछले पांच वर्षों में देश को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे चुनौतीपूर्ण समय से जूझते देखा गया है, सुनक ने अपनी घोषणा से पहले कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि देश ने उन चुनौतियों से लड़ाई लड़ी है और इससे उन्हें ब्रिटिश होने पर गर्व हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था अभी भी बढ़ रही है, मुद्रास्फीति सामान्य हो गई है, ब्याज दरें कम हो गई हैं और सरकार की योजना काम कर रही है। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि वह मानते हैं कि कई लोगों के लिए चीजें आसान नहीं हैं।

हाल के काउंसिल चुनावों में कंजर्वेटिवों के निराशाजनक प्रदर्शन के मद्देनजर 14 साल बाद सत्ता में लौटने की कोशिश कर रही पुनर्जीवित लेबर पार्टी के बीच भारतीय मूल के सुनक ने लोगों से कहा कि अब सवाल यह है कि आप किस पर भरोसा करते हैं। उन्होंने कहा, यह ब्रिटेन के भविष्य का फैसला करने का समय है और यह तय करने का कि क्या आप अपने द्वारा बनाए गए भविष्य का निर्माण करना चाहते हैं या उसी स्तर पर वापस जाने का जोखिम उठाना चाहते हैं।

सुनक ने यह भी स्वीकार किया कि वह यह दावा नहीं कर सकते और न ही करेंगे कि सत्ता में रहते हुए उन्हें सब कुछ ठीक मिला, लेकिन उन्हें इस बात पर गर्व है कि उन्होंने क्या हासिल किया और भविष्य में क्या किया जा सकता है। उन्होंने अपनी उपलब्धियों में एनएचएस को रिकॉर्ड फंडिंग देना, बच्चों की पढ़ाई के स्तर में सुधार करना, ऊर्जा सुरक्षा को पर्यावरण हठधर्मिता से ऊपर रखना और रक्षा खर्च बढ़ाना बताया।

घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए लेबर पार्टी के प्रमुख सर कीर स्टार्मर ने कहा कि यह एक ऐसा क्षण है, जिसकी देश को जरूरत है और वह इसका इंतजार कर रहा है। उन्होंने चुनाव अभियान को बेहतर भविष्य सुरक्षित करने का अवसर बताते हुए कहा कि यह समुदायों और देश को बदलने का समय है।

स्टार्मर ने कहा कि लेबर पार्टी पिछले कुछ वर्षों में बदल गई है और देश के लिए ऐसा करने का मौका मांगती है, यह वादा करते हुए कि वह ब्रिटेन को कामकाजी लोगों की सेवा में वापस लाएगी।

मुठभेड़ में सात वर्दीधारी नक्सली ढेर, नक्सलियों के शव व हथियार बरामद

फाईल फोटो

नारायणपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर और बीजापुर के सरहदी क्षेत्र में स्थित कारोवाय और रेकावाय के बीच जंगल में माओवादी संगठन के बटालियन नम्बर-5 के साथ जवानों की मुठभेड़ हुई है। पुलिस के अनुसार इस मुठभेड़ में सात वर्दीधारी नक्सलियों के शव तथा हथियार बरामद हुए है।

दरअसल नारायणपुर जिले का अबूझमाड़ ओरछा बीजापुर जिले का सीमावर्ती इलाका है और यहां लगातार नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पुलिस को मिल रही थी, जिसके बाद गुरुवार की सुबह तीनों जिलों की फ ोर्स जिसमें आईटीबीपी, एसटीएफ डीआरजी और बस्तर बटालियन के जवानों ने ज्वाइंट ऑपरेशन चलाकर नक्सलियों के ठिकाने पर दबिश दी और नारायणपुर और बीजापुर के सरहदी क्षेत्र में स्थित कारोवाय और रेकावाय के बीच जंगल में माओवादी संगठन के बटालियन नम्बर-5 को घेर लिया। जिस पर माओवादियो ने जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी इस पर जवानों ने भी जवाबी कार्यवाही करते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। मुठभेड़ के बाद जवान जैसे ही जंगल के अंदर की ओर पहुंचे वहां उन्हे सात वर्धीदारी नक्सलियों के शव के साथ 5 ऑटोमेटिक हथियार मिले। नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने बताया कि जवानों से जानकारी मिली है कि नक्सलियों ने यहां अपना अस्थाई कैंप बना रखा था। यहां 50 से 60 की संख्या में नक्सलियों की मौजूदगी दिखी, जिसके बाद जवानों ने नक्सलियों पर ताबड़तोड़ फायरिंग की है, एसपी का दावा है कि इस मुठभेड़ में कई नक्सलियों को गोली लगी है।

पुरी में योगी आदित्यनाथ के साथ दहाड़े बृजमोहन अग्रवाल, संबित पात्रा और पृथ्वीराज हरिचंदन के लिए किया प्रचार

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन के सुपुत्र भाजपा प्रत्याशी पृथ्वीराज हरिचंदन के रोड़ शो में भी हुए शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। ओडिशा में छठे चरण के चुनाव के मतदान का प्रचार गुरुवार को थम गया। प्रचार के अंतिम दिन छत्तीसगढ़ के मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने पुरी में जनसभा को संबोधित किया और भाजपा उम्मीदवारों के लिए वोट मांगे।

बानपुर में आयोजित सभा में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, श्री बृजमोहन अग्रवाल के साथ ही पुरी से पार्टी लोकसभा उम्मीदवार संबित पात्रा जी एवं चिल्का विधानसभा उम्मीदवार पृथ्वीराज हरिचंदन ने भी सभा को संबोधित किया। बृजमोहन अग्रवाल ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि, पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण तक सम्पूर्ण राष्ट्र में मोदी की लहर है। ओडिशा में पटनायक सरकार का अंत नजदीक है। राज्य की जनता भाजपा के साथ है इसका उदाहरण है कि भीषण गर्मी के बावजूद हजारों की संख्या में लोग इस सभा में एकत्रित हुए हैं। यहां की जनता पटनायक पांडियन से त्रस्त हो चुकी है। भाजपा सरकार ही ओडिशा का तेज गति से विकास कर सकती है। जिसके लिए आप लोगों से आह्वान करता हूं कि लोकसभा के लिए संबित पात्रा और विधानसभा के लिए पृथ्वीराज हरिचंदन समेत सम्पूर्ण ओडिशा में भाजपा प्रत्याशियों को वोट दें और राज्य के साथ ही केंद्र में एक बार फिर से नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाएं। बृजमोहन अग्रवाल इससे पहले बुधवार को बानपुर में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री विश्वभुषण हरिचंदन के सुपुत्र भाजपा प्रत्याशी पृथ्वीराज हरिचंदन के लिए रोड़ शो किया तथा भाजपा के पक्ष में जनता से वोट मांगे।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, शुक्रवार 24 मई 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर की तत्परता से बुजुर्ग को मिला इलाज

रायपुर (आरएनएस)। रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की तत्परता से एक बुजुर्ग का इलाज संभव हो पाया है। कलेक्टर को समाजसेवी के माध्यम से लकवाग्रस्त बुजुर्ग के बारे में जानकारी मिली। तुरंत कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग को आदेशित किया। इसके बाद स्वास्थ्य अमला मौके के लिए रवाना हुआ। सी मार्ट के करीब बुजुर्ग महिला नजर आई। फिर महिला को संजीवनी 108 एम्बुलेश से मेकाहारा लाया गया। जहां उन्हें भर्ती कराया गया है। फिर तुरंत इलाज मिलना शुरु हुआ। बताया गया कि वह महिला 52 वर्ष की है और उसने अपना नाम सकून दुबेदी बताया। वह धमतरी के पुरी गांव की निवासी है।

ई-रिक्शा और ऑटो चालकों को यातायात नियमों का पालन करने दी गई समझाईश

दुर्ग (आरएनएस)। पुलिस अधीक्षक श्री मोहित गर्ग के निर्देशन एवं अति0 पुलिस अधीक्षक श्री राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी निरीक्षक श्री अजय कुमार खेस की उपस्थिति में शहर में यातायात का दबाव, ट्रैफिक जाम एवं प्रतिदिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं के मद्देनजर ई-रिक्शा, ऑटो चालकों का यातायात कार्यालय राजनांदगांव में मीटिंग लिया गया। जिसमें समस्त ई-रिक्शा, ऑटो चालकों को समझाईश दिया गया कि शहर में निर्धारित पार्किंग स्थल में ही वाहन पार्किंग करें, प्रतिबंधित क्षेत्र में वाहन न चलायें एवं सवारी बैठाते समय कही भी वाहन खड़ी न करें, निर्धारित संख्या में ही सवारी बैठाये एवं चालक के बगल में सवारी न बिठायें एवं दुर्घटना से बचे। यातायात नियमों का पालन नही करने पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्यवाही किया जायेगा। यातायात पुलिस राजनांदगांव की सभी यात्री वाहन चालकों से अपील है कि यातायात नियमों का पालन करें, सड़क दुर्घटना एवं असुविधा से बचें।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्वाचन के दौरान मृत महिलाकर्मी के दोनों पुत्रों को 15 लाख रूपए की अनुग्रह राशि का चेक दिया

रायपुर (विश्व परिवार)। मतगणना की तैयारियों का जायजा लेने आज दुर्ग पहुंची मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने निर्वाचन कर्तव्य के दौरान मृत महिलाकर्मी श्रीमती मधु बंजारे के दोनों पुत्रों को अनुग्रह प्रतिकर राशि के कुल 15 लाख रूपए की राशि का चेक प्रदान किया। उन्होंने दुर्ग के सर्किट हाउस में आज स्वर्गीय श्रीमती मधु बंजारे के पुत्रों श्री नितिन कुमार बंजारे को साढ़े सात लाख रुपए और श्री विपिन कुमार बंजारे को साढ़े सात लाख रुपए का चेक प्रदान किया।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा आम निर्वाचन कर्तव्य के दौरान निर्वाचन कर्मी श्रीमती मधु बंजारे की 8 मई को कुम्हारी के पास वाहन दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य अनुग्रह प्रतिकर भुगतान नियम 2009 के प्रावधानों के तहत उनके उत्तराधिकारियों पुत्र श्री नितिन कुमार बंजारे और श्री विपिन कुमार बंजारे को कुल अनुग्रह प्रतिकर राशि 15 लाख रूपए के भुगतान की अनुशंसा की गई थी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा परिवार को चेक सौंपने के दौरान दुर्ग की कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी, पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र शुक्ला और उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बी.के. दुबे उपस्थित थे।

आरक्षण पर कलकत्ता हाई कोर्ट का निर्णय कांग्रेस और इंडी गठबंधन के गाल पर करारा तमाचा : अरुण साव

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आरक्षण को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट के ताजा फैसले का स्वागत करते हुए इसे कांग्रेस और इंडी गठबंधन के गाल पर करारा तमाचा बताया है। संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने का मिथ्या आरोप भाजपा पर मढ़कर अनर्गल प्रलाप करने वाली कांग्रेस और उसके इंडी गठबंधन ने पिछड़े वर्ग के हक पर डाका डाला, उसे लूटा, पिछड़े वर्ग के लोगो के साथ षड्यंत्र किया। श्री साव ने कहा कि इस निर्णय ने कांग्रेस समेत तमाम भाजपा विरोधी दलों का पिछड़ा वर्ग विरोधी डीएनए जगजाहिर कर दिया है।

अरुण साव ने कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि पिछड़े वर्ग का आरक्षण छीनकर मुसलमानो को देना असंवैधानिक है और भाजपा पूरी ताकत से ऐसे षड्यंत्रकारियों से लड़कर पिछड़े वर्ग के अधिकारों को सुनिश्चित करेगी। श्री साव ने कहा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय का ताजा-ताजा फैसला जो आया है, उसके बाद कांग्रेस पार्टी और इंडी गठबंधन का राजनीतिक दोगलापन और झूठ बेनकाब हो चला है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल किस प्रकार से पिछड़ा वर्ग के अधिकारों को लूटकर पिछड़ा वर्ग के अधिकारों पर डाका डालकर अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए मुसलमानों को आरक्षण देने का काम कर रहे हैं, यह अब आईने की तरह साफहो गया है। अरुण साव ने कहा कि जिस प्रकार से अनेक राज्यों में कांग्रेस की सरकारों ने मुस्लिम समाज को धर्म के आधार पर आरक्षण दिया, वह आरक्षण पूरी तरह संविधान के विपरीत है। पिछड़ा वर्ग के हितों पर डाका डालकर आरक्षण देने का प्रयास किया जा रहा है। लगातार पिछड़े वर्ग के साथ अन्याय और शोषण करने का काम कांग्रेस पार्टी और विपक्षी दल करते रहे हैं, कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले यह बात स्पष्ट हो गई है। श्री साव ने दो टूक कहा कि किसी को भी पिछड़ा वर्ग के हितों के साथ खिलवाड़ करने नहीं दिया जाएगा, पूरी ताकत से पिछड़े वर्ग के साथ किए जाने वाले अन्याय का विरोध होगा और पूरी ताकत से उसके लिए लड़ाई लड़ी जाएगी।

'हेलमेट बैंक' के नाम से पुलिस की नई पहल, आईडी दिखाने पर दिया जाएगा हेलमेट

बिलपसुर (विसं)। बिलासपुर में सड़क हादसों में कमी लाने के लिए पुलिस ने हेलमेट बैंक के नाम से नई पहल की शुरुआत की है। इसके तहत बाइक सवारों को आईडी कार्ड दिखाने पर हेलमेट दिया जाएगा, जिसे यात्रा पूरी करने के बाद बाइकर्स को 24 घंटे के अंदर वापस बैंक में जमा करना होगा। इससे लोगों को आसानी से हेलमेट मिल जाएगी और सुरक्षित आवागमन कर सकेंगे।

जानकारी के मुताबिक, इसकी शुरुआत एसपी रजनेश सिंह ने चकरभाटा थाने से की है। बुधवार की शाम एसपी रजनेश सिंह ने हेलमेट बैंक के उद्घाटन अवसर पर कहा कि अब कोई भी व्यक्ति अपनी यात्रा के दौरान अपना परिचय पत्र दिखाकर इस बैंक से हेलमेट ले सकेंगे। उन्हें हेलमेट निशुल्क दिया जाएगा।

ट्रैफिक एएसपी नीरज चंद्राकर ने बताया कि चकरभाटा थाने के साथ ही हेलमेट बैंक की शुरूआत सकरी, कोनी और सरकंडा थाने में भी शुरू की गई। हेलमेट बैंक की शुरूआत एक ध्येय वाक्य के साथ किया गया है। बिलासपुर पुलिस ने अब सड़कों पर खून की एक बूंद नहीं अभियान के तहत हेलमेट बैंक की शुरूआत की है।

ट्रैफिक एएसपी नीरज चंद्राकर ने कहा कि सुरक्षित यातायात की दिशा में हेलमेट सबसे महत्वपूर्ण मानक उपकरण है। इसके उपयोग से हमारी यात्रा सुरक्षित होगी, जिस प्रकार हम सुरक्षित घर से निकले थे, वैसे ही सुरक्षित घर पहुंचेंगे इसमें कोई संदेह नहीं होगा। उम्मीद है कि हमारा यह प्रयास सभी के लिए अनुकरणीय होगा और सड़क दुर्घटना पर अंकुश लगाने की दिशा में कारगर साबित होगा। इस अभियान के जरिए नागरिकों को जागरूक करते हुए हेलमेट पहनने की अपील की जाएगी। पुलिस अफसरों का मानना है कि सड़कों पर सबसे ज्यादा चलने वाले वाहनों में दो पहिया वाहनों की संख्या सर्वाधिक है। यही कारण है कि लोग छोटी से लेकर के बड़ी से बड़ी यात्रा के लिए इसका उपयोग करते हैं। लेकिन, दुर्भाग्य इस बात का है कि सुरक्षा मानकों के अभाव में सबसे ज्यादा दुर्घटना के शिकार बाइक सवार होते हैं।

डॉ. देवदास के पुस्तक 'कौशल्या जन्मभूमि छत्तीसगढ़' का मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया विमोचन

राजिम (विश्व परिवार)। माता कौशल्या छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति और अस्मिता के प्रतीक है। जो राम को मर्यादा पुरुषोत्तम बनाने में और घोर संकट में भी नारी धर्म की रक्षा करने में अग्रणी रही। ऐसी त्याग मूर्ति विश्व वंदनी कौशल्या माँ की गौरव गाथा पर केन्द्रित है यह काव्य संग्रह 'कौशल्या जन्मभूमि-छत्तीसगढ़', जिसका विमोचन छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया और छत्तीसगढ़ वासियों की ओर से इसके संपादक राष्ट्रपति पुरस्कृत सेवानिवृत्त प्रधान पाठक एवं साहित्यकार डॉ मुन्नालाल देवदास को शुभकामनाएँ दी।

इस अवसर पर पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय ने कहा कि विश्व प्रसिद्ध कौशल्या माता मंदिर चंदखुरी रायपुर में है जो हम सबके लिए गर्व की बात है और यह पुस्तक आने वाली पीढ़ी के लिए एक धरोहर बनेगी, इसी कड़ी में हमारे न्यूज संवाददाता ने बताया कि संपादक डॉ मुन्नालाल देवदास ने कौशल्या जन्मभूमि छत्तीसगढ़ विषय पर केन्द्रित अखिल भारतीय नि:शुल्क काव्य लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें देश भर के 108 कवि और साहित्यकारों ने भाग लिया, विजेताओं को कुल 15 हजार रुपये की सम्मान राशि और प्रशस्ति पत्र दी। इसके निर्णायक थे वरिष्ठ साहित्यकार राष्ट्रपति पुरस्कृत पूर्व प्राचार्य सीताराम साहू श्याम और तुलसी मानस प्रतिष्ठान के कार्यकारी प्रांताध्यक्ष जगदीश देशमुख। यह काव्य संग्रह 208 पेज का है, इसका प्रकाशन प्रयाग उत्तर प्रदेश से हुआ है।

आगे और बताना चाहेंगे कि डॉ देवदास ने 2019 में कौशल्या माता मंदिर परिसर में मंदिर समिति, चंदखुरी नगरवासी एवं मानस संघों के सहयोग से ऐतिहासिक पितर मानस महोत्सव मनाने की शुरुआत की, 2020 में छत्तीसगढ़ की बेटी कौशल्या नामक पुस्तक प्रकाशित करवाया, 2021 में मंदिर समिति के योगदान से रविवारीय मानस गान प्रारंभ किया, 2022 में माता कौशल्या पर हिन्दी भजन लिखा जिसे भजन सम्राट अनूप जलोटा ने गाया और विश्व प्रसिद्ध टी सीरीज कंपनी मुंबई ने रिलीज किया। इस प्रकार हम कहना चाहेंगे कि माता कौशल्या के प्रचार प्रसार हेतु डॉ देवदास सफलतापूर्वक अनेक प्रकार के नवाचार कर रहे हैं। पुस्तक विमोचन अवसर पर उपस्थित थे पूर्व मंडल अध्यक्ष सोमप्रकाश साहू, सुशील कुमार साहू, सवेरा शर्मा आदि।

रानू साहू और सौम्या चौरसिया 5 दिनों के लिए ईओडब्ल्यू की रिमांड पर

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ में कोयला घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू को रानू साहू और सौम्या चौरसिया की रिमांड मिल गई है। दोनों को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर ईओडब्ल्यू की टीम रायपुर स्पेशल कोर्ट पहुंची थी। यहां टीम ने 15 दिनों की रिमांड मांगी थी, लेकिन कोर्ट से 5 दिनों की ही रिमांड मिली है। अब 27 मई तक दोनों से कोयला घोटाला केस में पूछताछ होगी। गुरुवार को जज अतुल श्रीवास्तव की कोर्ट ने दोनों को ईओडब्ल्यू की रिमांड पर सौंप दिया।

बचाव पक्ष के वकील फैजल रिज़वी ने कहा कि ईओडब्ल्यू ने गिरफ्तारी के बाद मांग की है कि 5 जून तक रिमांड दी जाए। इसका हमने विरोध किया है। हमने कहा है कि ईडी के केस में एक की बेल हो गई है और रानू साहू की बेल सुप्रीम कोर्ट में लगी हुई है। वहीं सौम्या चौरसिया की बेल पर भी हाईकोर्ट में सुनवाई होनी है इस वजह से ही फिर गिरफ्तारी की जा रही है। रिमांड मांगने के लिए भी कुछ पुख्ता तथ्य पेश नहीं किए गए हैं। 3 दिन तक पहले ही पूछताछ हो चुकी है इसलिए हमने रिमांड पर आपत्ति जताई।

प्रस्तावित नई औद्योगिक नीति 2024-29 के लिए प्रदेश के उद्योग क्षेत्र के समग्र विकास के लिए उद्योग भवन में बैठक

चेंबर द्वारा व्यापार एवं उद्योग जगत के हित में दिये गये महत्वपूर्ण सुझाव : अमर पारवानी

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि बुधवार, दिनांक 22 मई 2024 को उद्योग भवन, तेलीबांधा, रायपुर में श्री अंकित आनंद जी (आई.ए.एस.), सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की अध्यक्षता में प्रस्तावित नई औद्योगिक नीति 2024-29 के लिए प्रदेश के उद्योग क्षेत्र के समग्र विकास हेतु चेम्बर पदाधिकारियों एवं अन्य विभिन्न औद्योगिक संस्थाओं की बैठक आयोजित हुई। उक्त बैठक में श्री आलोक त्रिवेदी, संयुक्त सचिव वाणिज्य एवं उद्योग विभाग और अतिरिक्त निदेशक उद्योग निदेशालय छत्तीसगढ़ शासन, श्री प्रवीण शुक्ला अपर निदेशक एसआईपीबी (राज्य निवेश संवर्धन बोर्ड), श्री अनिल श्रीवास्तव कार्यकारी निदेशक, सीएसआईडीसी, श्री संजय गजघाटे संयुक्त निदेशक उद्योग निदेशालय छत्तीसगढ़ शासन उपस्थित रहे।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी ने बताया कि उद्योग संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा राज्य की प्रस्तावित नवीन औद्योगिक नीति 2024-29 का प्रारूप तैयार करने वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा पत्र प्राप्त हुआ जिसके संदर्भ में चेंबर भवन में विभिन्न औद्योगिक संस्थानों एवं उनके पदाधिकारी की बैठक आहूत की गई जिसमें चेम्बर द्वारा राज्य की नवीन औद्योगिक नीति से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए जो निम्नानुसार है-

व्यापार सम्बन्धी सुझाव- एकल खिड़की प्रणाली-(गुजरात मॉडल), वन स्टेट वन लाइसेंस, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट, कृषि आधारित उद्योग, फूड पार्क, कोल्ड स्टोरेज, लघु एवं कुटीर उद्योग, उद्योग श्रेणी:-डैडम् एक्ट में संशोधन पश्चात सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों की श्रेणी वर्गीकृत करने हेतु नए नियमों को आधार माना जाना चाहिए। कच्चे माल की उपलब्धता (आयरन एंड स्टील), फर्नीचर उद्योग सम्बन्धी, सोलर उद्योग, विनियामक आयोग का गठन, धान प्रसंस्कृत उत्पाद, औद्योगिक क्षेत्रों में मुलभुत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के सम्बन्ध में उद्योग/व्यापार विभाग स्टेट पर्चेसिंग में प्रदेश के सूक्ष्म, लघुएवं मध्यम उद्योगों को राज्य सरकार प्राथमिकता दी जाए। स्थानीय स्तर पर रोजगार देने पर उद्योगों को रियायत दी जाए प्रदूषणमुक्त उद्योग। आद्योगिक अपशिष्ट, ट्रांसपोर्टेशन, दल्लीराजहरा क्षेत्र को औद्योगिक क्षेत्र घोषित करने, बिजली संबधित, भूमि संबंधित, हेल्थ एवं सेफ्टी, श्रम कानून, सब्सिडी।

सब्सिडी से सम्बंधित अन्य सुझाव- डायवर्सन शुल्क माफी, उत्पादन से जुड़ी सब्सिडी, राज्य सरकारी खरीद सहायता, प्रदर्शनी समर्थन, नए मॉडल विकास एवं डिजाइन सब्सिडी के लिए।

मेगा परियोजना- मेगा परियोजना से सम्बंधित उद्योगों को बढ़ावा देने एवं उन्हें प्रोत्साहित करने हेतु सब्सिडी योजना को त्वरित रूप से क्रियान्वित किया जाना चाहिए जिससे की अन्य राज्यों के उद्योग हमारे राज्य की ओर उद्योग लगाने हेतु प्रेरित हों।

इस अवसर पर चेम्बर सलाहकार जितेन्द्र कुमार दोशी, परमानंद जैन, प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, मंत्री-नीलेश मूंधड़ा, शंकर बजाज, टेक्नीकल टीम के सदस्य सी.ए.मुकेश मोटवानी, युवा चेम्बर उपाध्यक्ष जयेश पटेल, उद्योग चेम्बर मंत्री राहुल पटेल, एवं विजय गोयल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

भाजपा द्वारा मतगणना अभिकर्ताओं को देगी प्रशिक्षण : अशोक बजाज

लोकसभा में सर्वाधिक 99.10 प्रतिशत मतदान सुन्दरकेरा में

नवापारा/राजिम (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं रायपुर लोकसभा क्षेत्र के संयोजक अशोक बजाज ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता 4 जून को रायपुर में होने वाली मतगणना की तैयारी में जुट गये है। भाजपा द्वारा मतगणना अभिकर्ताओं को 4 जून के पहले प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा तकनीकी बातों से अवगत कराया जायेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेशाध्यक्ष किरणदेव साय एवं भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल मतगणना कार्य की तैयारी की सतत् मॉनिटरिंग कर रहे है।

श्री बजाज ने आगे कहा कि अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं ने लोकसभा चुनाव में जर्बदस्त उत्साह दिखाया, यही वजह है कि रायपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 9 विधानसभा क्षेत्रों में सर्वाधिक 81.19 प्रतिशत मतदान अभनपुर क्षेत्र में हुआ। यही नही बल्कि लोकसभा में 90 प्रतिशत से अधिक पोलिंग वाले 14 मतदान केन्द्रों में से 12 मतदान केन्द्र अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के है। क्षेत्र के बूथ क्रमांक 108 सुन्दरकेरा में सर्वाधिक 93.10 प्रतिशत, बूथ क्रमांक 36 उगेतरा में 91.18 प्रतिशत, बूथ क्रमांक 95 कोलियारी में 91.04 प्रतिशत, बूथ क्रमांक 105 थनौद में 90.98 प्रतिशत, बूथ क्रमांक 104 परसदा (सोंठ) में 90.97 प्रतिशत, बूथ क्रमांक 110 उमरपोटी में 90.73 प्रतिशत, बूथ क्रमांक 138 कन्हेरा में 90.37 प्रतिशत, बूथ क्रमांक 28 उपरवारा में 90.33 प्रतिशत, बूथ क्रमांक 151 भटगांव में 90.25 प्रतिशत, बूथ क्रमांक 91 लखना में 90.04 प्रतिशत तथा बूथ क्रमांक 55 गोईंदा में 90.00 प्रतिशत पोलिंग हुआ जो कि एक कीर्तिमान है।

चंद्रभान टंडन का अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए हुआ चयन

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। नगर की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था रायपुर रोड स्थित सेठ फूलचंद अग्रवाल स्मृति महाविद्यालय के छात्र चंद्रभान टंडन का चयन अखिल भारतीय अंतर विश्व विद्यालय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता लिए हुआ है। महाविद्यालय के खेल अधिकारी शिवकुमार पाण्डेय ने एक विज्ञप्ति में जानकारी दिए की विगत दिनों विश्वविद्यालय के आदेशानुसार पंडित रवि शंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के आदेशानुसार अंतर महाविद्यालय बाल बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय रायपुर में आयोजित किया गया था। इस प्रतियोगिता में 24 महाविद्यालय के टीम ने भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की टीम ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

छात्र के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर ही चंद्रभान टंडन कक्षा B.ed का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता बाल बैडमिंटन के लिए हुआ है। विश्वविद्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह छात्र चंद्रभान टंडन पंडित रवि शंकर विद्यालय की बाल बैडमिंटन टीम का प्रतिनिधित्व करेगा। रायपुर में पांच दिवसी विशेष प्रशिक्षण शिविर कोटा स्टेडियम रायपुर में आयोजित किया जाएगा। शिविर के उपरांत विश्वविद्यालय की टीम ऑल इंडिया प्रतियोगिता में भाग लेने आंध्र प्रदेश के चेन्नई विश्वविद्यालय सेमेनचेरी चेन्नई के लिए पंडित रविशंकर विश्व विद्यालय की टीम रवाना होगी। चंद्रभान टंडन ने इस अंचल एवं महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। चंद्रभान टंडन के पिता नरेंद्र कुमार टंडन शिवनी छूरा में शिक्षक हैं, माता श्रीमती आशा टंडन ग्राम रोहिना फिंगेश्वर के निवासी हैं। खिलाड़ी छात्र के दोनों बहन नमिता और मोनिका खो खो और भाई कुणाल टंडन टारगेट बॉल के राष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। छात्र के चयन होने पर रोहिना ग्राम के सरपंच होमन लाल साहू अध्यक्ष सरपंच संघ फिंगेश्वर, उप सरपंच डॉक्टर गजाधर साहू एवं समस्त ग्राम वासियों में अत्यंत खुशी की लहर व्याप्त है।

छात्र के चयन होने पर महाविद्यालय शिक्षक समिति के अध्यक्ष माननीय मनमोहन अग्रवाल जी, उपाध्यक्ष रमेश पड़िया जी, डायरेक्टर भावना यश अग्रवाल, प्राचार्य डॉक्टर शोभा मैडम, उप्राचार्य डॉक्टर मनोज मिश्रा महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं कर्मचारियों, बॉल बैडमिंटन के समस्त खिलाड़ियों अनिकेत, जय नारायण, गोपेश, मयंक, कुमुदिनी साहू, उपासना साहू, अनुपम साहू, अंकित, चंचल साहू, सूरज गिलहरे प्रमिला यादव, सौम्या सिन्हा, अजय पटेल, जागेश्वर साहू, खेमराज साहू, सोहेल रजा, पुखराज, अमन टंडन और महाविद्यालय के वरिष्ठ राष्ट्रीय खिलाड़ी वरुण कंसारी, आकाश साहु, विनीत देवांगन, सत्यम पाल, निहाल सुराना, मोक्छा साहू और सभी खिलाड़ियों ने चंद्रभान टंडन को बधाई संदेश प्रेषित किया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com
पत्र क्र./11355/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 22-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11355
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445G0203A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AARTI DEEPAK KUNDNANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KARAN PURAN LAL KUKREJA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. DIPA VIDHWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SHRI KAMAL VIDHWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com
पत्र क्र./11304/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 22-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11304
वार्ड का नाम- 53 - बाबू जगजीवनराम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651J00766** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HARSHA VIRNANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NARESH VIRNANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. PAYAL DUBEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SHRI DIVYASHAKTI PANDEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

रायपुर विकास प्राधिकरण
द्वितीय तल, भक्त माता कर्मा व्यावसायिक परिसर
न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर (छत्तीसगढ़) - 492006
ई-मेल: ceordaryp@gmail.com www.rdaraipur.com
फोन : (0771) 2536188, 2536788 फैक्स : 2534688

"उद्घोषणा"
क्रमांक 7323/आर.सी./रा.वि.प्रा./2024
रायपुर, दिनांक 21/05/2024

प्राधिकरण की **देवेन्द्र नगर** योजना के अन्तर्गत **श्री अंकित महला पिता श्री राजेश महला** द्वारा **भूखण्ड क्रमांक डी-45/2 क्षेत्रफल 1500 वर्गफुट** फ्री-होल्ड पर धारित है। फ्री-होल्डधारी द्वारा उक्त सम्पत्ति को पंजीकृत विक्रय विलेख द्वारा दिनांक **11.03.2024** को क्रेता **खिमी देवी पिता श्री बाबू राम** निवासी- मकान नं. डी-45, सेक्टर-02, बालाजी विद्या मंदिर स्कूल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.) के पक्ष में विक्रय कर दिया गया है।

क्रेता **खिमी देवी पिता श्री बाबू राम** द्वारा पंजीकृत विक्रय विलेख की छायाप्रति प्रस्तुत कर प्राधिकरण अभिलेख में नाम दर्ज कराना चाहा है। अतः उक्त भूखण्ड के अभिलेख में क्रेता का नाम दर्ज किये जाने पर यदि किसी को कोई आपत्ति/दावा हो तो इस उद्घोषणा प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि तक कोई आपत्ति/दावा प्रस्तुत नहीं होने पर शासन के प्रचलित नियमों के अनुसार **नाम दर्ज** की कार्यवाही सम्पादित करा दी जावेगी। जिसके बाद कोई आपत्ति/दावा ग्राह्य नहीं होगा।

दिनांक ..... को जारी।
राजस्व अधिकारी (तहसीलदार)
रायपुर विकास प्राधिकरण
रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शुक्रवार 24 मई 2024

मतगणना में आवश्यक व्यवस्था को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक

प्रवेश के लिए परिचय पत्र तैयार करने के निर्देश

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अजीत वसंत ने लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत 04 जून को आईटी कॉलेज झगरहा में होने वाली मतगणना हेतु आवश्यक तैयारियों को लेकर संबंधित नोडल अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में उन्होंने मतगणना सुपरवाइजर, मतगणना सहायक, माइक्रो ऑब्जर्वर की ड्यूटी, ईव्हीएम मशीनों, पोस्टल बैलेट एवं ईटीपीबीएस हेतु रिजर्व टीम, इंटरनेट कनेक्टिविटी, ईव्हीएम एवं प्रपत्र सीलिंग, 100 मीटर तक सुरक्षा व्यवस्था, मोबाइल कैमरा प्रतिबंध, पार्किंग व्यवस्था, मीडिया कंट्रोल रूम, कंट्रोल रूम कम्युनिकेशन, जलपान व्यवस्था, रेंडमाइजेशन, वीडियोग्राफी, वेबकास्टिंग, चिकित्सा व्यवस्था आदि की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि मतगणना कक्ष में सभी व्यवस्थाओं को चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशानुसार सुनिश्चित की जाए। इस दौरान राउंड वार प्राप्त मतों की जानकारी कक्ष के सूचना बोर्ड में भी अंकित की जाए और लाउडस्पीकर के माध्यम से आम लोगों को सूचित किया जाए। उन्होंने राउंड वार प्राप्त मतों की जानकारी निर्धारित प्रपत्र में तैयार कर रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने और वेबसाइट पर अपलोड करने के संबंध में भी निर्देश दिए। किसी प्रकार की आपत्ति पर नियमानुसार त्वरित कार्यवाही की जाए। मतगणना कक्ष में प्रवेश हेतु परिचय पत्र जारी करने के साथ ही समय पर उपस्थिति तथा निर्वाचन एजेण्टों को मतगणना कक्ष में की गई व्यवस्था एवं दिशा-निर्देशों की जानकारी प्रदान करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे संबंधित अधीनस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों का प्रशिक्षण समय पर कराएं। कलेक्टर ने आईटी कॉलेज परिसर में स्टेज निर्माण तथा आवश्यकतानुसार बैरिकेडिंग के निर्देश भी दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री संबित मिश्रा, नगर निगम आयुक्त श्रीमती प्रतिष्ठा ममगाई, अपर कलेक्टर श्री दिनेश कुमार नाग, संयुक्त कलेक्टर श्री मनोज कुमार आदि उपस्थित थे।

नगर निगम ने संयुक्त अभियान चलाते हुए एक एकड़ सरकारी जमीन को दलालों से किया मुक्त

कोरबा(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में सत्ता बदलने के साथ विभिन्न क्षेत्रों में प्रशासन की ओर से कठोर कार्रवाई की जा रही है और इसी के साथ सख्त संदेश देने का काम किया जा रहा है। कोरबा में प्रशासन और नगर निगम की टीमों ने संयुक्त रूप से अभियान चलाते हुए 1 एकड़ सरकारी जमीन को दलालों से मुक्त कर लिया। दलालों की योजना इस जमीन को कुल मिलाकर हड़पने की थी। कोरबा नगर के दादर खुर्द क्षेत्र में जिला प्रशासन और नगर निगम की आज इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। तीन बुलडोजर के माध्यम से यहां पर किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की कार्रवाई की गई। संबंधित जमीन सरकारी बताई गई है जिस पर कुछ दलालों के द्वारा अवैध रूप से कब्जा करने के साथ निर्माण किया जा रहा था। उनकी पूरी प्लानिंग हर हाल में इस जमीन को हासिल करने की थी। कोरबा दादर खुर्द मार्ग पर कीमती जमीन को लेकर कुछ लोगों की ओर से शिकायत की गई थी और ऐसी हरकतों पर रोक लगाने को कहा गया था। इस पर संज्ञान लेने के साथ आगे की कार्रवाई के तहत प्रशासन ने नोटिस देने की प्रक्रिया पूरी की। इसके साथ ही अपने इरादे साफ कर दिए की मौके पर कार्रवाई होगी। संसाधन और सुरक्षा बल के साथ आज सरकारी अमले ने यहां पर उपस्थिति दर्ज कराते हुए अवैध रूप से किए गए निर्माण को चैपट कर दिया। इससे पहले कोहडिया, प्रगति नगर और बनकीमोंगरा क्षेत्र में भी अतिक्रमण से संबंधित मामलों में प्रशासन की ओर से कार्रवाई की गई और बड़ी मात्रा में सरकारी जमीन को मुक्त कराया गया।

भालू के हमले में घायल होने की गलत जानकारी देकर ग्रामीण ने झटक लिए रूपए

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले के लेमरू वन परिक्षेत्र में एक ग्रामीण भालू के हमले में घायल होने संबंधी गलत जानकारी देकर वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से उपचार के लिए तत्कालीक सहायता राशि के रूपए झटक लिए गलत जानकारी देकर रूपए झटकने की बात सामने आने पर अब वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उक्त ग्रामीण को ढूढ़ रहे है। ग्रामीण अब उनसे बचने लिए भागाभागा फिर रहा है। जानकारी के अनुसार लेमरू वन परिक्षेत्र अंतर्गत लाम पहाड़ गांव स्थित है। यहां निवास रत एक ग्रामीणों कल सुबह गिरकर घायल हो गया था। वह लहुलुहान अवस्था में पहुंचा और वन विभाग के अधिकारियों को भालू के हमले में घायल होने की झूठी जानकारी देकर उनसे उपचार के नाम तत्कालीक सहायता राशि रूपए 500 झटक लिए जब इसकी जानकारी वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हुई तो वें ग्रामीण से पैसा वापस लेने उसकी सरगर्मी से तलाश शुरू कर दिए है। इस सिलसिलले में वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी बार बार ग्रामीण के घर में जा रहे है। लेकिन ग्रामीण नही मिल रहा है। वें बचने के लिए भागाभागा फिर रहा है। कई बार ग्रामीण जंगल में जाकर छिप जाता है तो कई बार कही और चला जाता है। इस घटना के बाद वन विभाग अधिकारियों व कर्मचारियों को यह सीख मिली है कि वन्य प्राणी के हमले में सहायता राशि देने के मामले में काफी सर्तका बरतने की जरूरत है। जरूरी जांच पड़ताल के बाद ही इस दिशा में कोई कदम उठाया जाना आवश्यक होगा।

अवैध रेत उत्खनन, रॉयल्टी चोरी, परिवहन व भण्डारण पर की गई कार्यवाही

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देशन में जिले में खनिज विभाग द्वारा गौण खनिज आधारित क्षेत्रों से रेत के अवैध परिवहन, रॉयल्टी चोरी, उत्खनन एवं भंडारण पर निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इस हेतु जिले के नगरीय निकाय सहित ग्रामीण क्षेत्रों पर खनिज अमलो की तैनाती कर नियमित कार्यवाही की जा रही है। खनिज अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार गौण खनिज रेत की रॉयल्टी चोरी की रोकथाम हेतु विभागीय अमला द्वारा जिलान्तर्गत ग्राम बम्हनीडीह, हरदी, कुदुरमाल, उरगा, केराकछार, भिलाईखुर्द, कुमगरी, तरदा, बरबसपुर, भिलाईखुर्द, सीतामणी आदि स्थानों से विगत 01 अप्रैल से 21 मई तक कुल 49 प्रकरण दर्ज किया गया है। जिसके अंतर्गत गौण खनिज रेत के 27 प्रकरण दर्ज कर 3,92,218 रुपए अर्थदंड वसूल किया गया है एवं गौण खनिज निम्न श्रेणी चूना पत्थर (गिट्टी) के 13 प्रकरण में 4,50,059 की राशि वसूल किया गया। मिट्टी ईंट 05 प्रकरण दर्ज कर रूपए 54,041 की राषि तथा खनिज कोयला के 01 प्रकरण में रूपए 28,642 की राशि वसूल की गई। अवैध परिवहन के 46 प्रकरणों से 9,24,960 रूपए की राशि तथा अवैध उत्खनन के 03 प्रकरणों से 2,07,284 रूपए की राशि के अर्थदण्ड वसूल किए गए। इस प्रकार कुल 49 प्रकरणों में 11,32,244 रूपए की राशि खनिज आय मद में जमा किया गया है। वाहन चालक एवं वाहन मालिकों के विरूद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 यथा संषोधित छत्तीसगढ़ गौण खनिज अधिनियम 2015 के नियम 71 (5) व छत्तीसगढ़ (खनन, परिवहन तथा भण्डारण) नियम 2009 तहत् प्रकरण दर्ज कर आरोपित अर्थदण्ड की कार्यवाही की गई है।

शुरू नहीं हो सका बाईपास सड़क निर्माण का कार्य

कोरबा(विश्व परिवार)। नहर किनारे बरमपुर से दर्री बरॉज तक सडक बनाने के लिए कोयला कंपनी एसईसीएल के प्रबंधन ने 83 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। यह स्वीकृति विधानसभा चुनाव से कुछ ही दिन पहले दी गई थी। इसके पहले की काम शुरू होता, प्रदेश में आदर्श आचार संहिता चालू हो गई। इसके बाद प्रदेश सरकार को बड़ी मुश्किल से दो-तीन माह का समय मिला। तब तक लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई और दर्री बरॉज तक सडक़ बनाने का काम आगे नहीं बढ़ सका। औद्योगिक नगरी कोरबा में वर्तमान जरूरत के अनुसार सडक नहीं है। शहर के भीतर से कोयला परिवहन करने वाली गाडियां आना-जाना कर रही है। अन्य मालवाहक गाडियां भी इसी रास्ते से होकर गुजर रही हैं। इससे शहर के बीच से होकर गुजरने वाले बायपास रोड पर हमेशा भारी गाडियों का दबाव रहता है। इस दबाव को कम करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से दर्री बराज से बरमपुर-कुसमुंडा तक हसदेव दायी तट नहर के किनारे सडक़ निर्माण की योजना बनाई गई थी। प्रशासन की योजना डबल लेन सडक़ बनाने की योजना थी। ताकि गेवरा-दीपका या कुसमुंडा खदान से कोयला लेकर रायगढ़, चांपा व बालकोनगर की ओर जाने वाली गाडियां निकल सके। लेकिन यह योजना धरातल पर मूर्त रूप नहीं ले सकी है। प्रशासन की योजना को फाइल से बाहर निकालने के लिए कई बार कोशिशें शुरू हुई। लेकिन योजना पूरी नहीं हो सकी। इस सडक़ के निर्माण की योजना लगभग 10 साल पहले बनाई गई थी।गेवरा, दीपका और कुसमुंडा खदान से रोजाना सैकड़ों की संख्या में कोयला परिवहन करने वाली गाडियां कुसमुंडा से सर्वमंगला चैकी होकर राताखार के रास्ते ट्रांसपोर्ट नगर बायपास होते हुए आगे की तरफ बढ़ती हैं। गाडियां दर्री बरॉज या बुधवारी बाजार होकर चांपा या रायगढ़ की ओर निकल जाती हैं। कोयला परिवहन करने वाली गाडियां शहर के भीतर से होकर गुजरती हैं इससे हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। आवागमन को सुविधाजनक बनाने के लिए सर्वमंगला चैक से लेकर बरमपुर तक सडक चैड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है लेकिन अलग-अलग कारण से यह सडक़ अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। अब नया मामला कन्वेयर बेल्ट के करीब बिजली खंभों की शिफ्टिंग से जुड़ा हुआ है।

शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से स्कूली विद्यार्थी संयंत्र एवं खदानों का कर रहे अवलोकन

कोरबा(विश्व परिवार)। विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि तथा देश के विकास में योगदान को बढ़ावा देने जिले में संचालित हाईध्हायर सेकेंडरी स्कूलों के छात्रध्छात्राओं को विभिन्न पावर प्लांटों के संयंत्रों व कोल माइंस का शैक्षणिक भ्रमण कराया जा रहा है। इसी कड़ी में आज शासकीय हाईस्कूल पोलमी सहित अन्य विद्यालयों के 10-10 विद्यार्थियों को एसईसीएल सराईपाली खदान एवं हाईटेक नर्सरी का भ्रमण कराया गया। डीईओ पाली के निर्देशन में ग्राम परसदा से श्रीमती एस. सोम, पोलमी से जे. के. सागर, श्रीमती शिवकुमारी, पोड़ी से श्री मेश्राम द्वारा श्री हर्षल श्रीवास डिप्टी मैनेजर, सुरेंद्र सिंह चैहान, सब-एरिया मैनेजर की उपस्थिति में खदान का भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को खदान से कोयला उत्खनन् और परिवहन के साथ ही आधुनिक तकनीकी मशीनों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इसी तरह पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने नर्सरी का भ्रमण कराया गया। कलेक्टर श्री अजीत वसंत के दिशा-निर्देशन में जिले के विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण कराया जा रहा है, जिससे बच्चे इंजीनियरिंग व विज्ञान के विभिन्न पहलुओं को देख सीख सकें। प्रति दिवस 15 स्कूलों का शैक्षणिक भ्रमण कराया जा रहा है। शिक्षिका श्रीमती शिवकुमारी का कहना है कि इस तरह के भ्रमण से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित होगी। क्लासरूम से बाहर जाकर कार्यस्थल पर अवलोकन करके वे आधुनिक तकनीक का ज्ञान प्राप्त करेंगे। शिक्षा के प्रति उनकी अभिरूचि भी बढ़ेगी।

लिव इन रिलेशन में रह रही प्रेमी ने प्रेमिका को उतारा मौत के घाट

बिलासपुर(विश्व परिवार)। शहर के सिविल लाइन इलाके में लिव इन रिलेशन में रह रही प्रेमिका की प्रेमी ने हत्या कर दी। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों पिछले पांच वर्षों से लिव इन में रह रहे थे। बीती रात खाना निकालने की बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। धक्का-मुक्की में प्रेमिका को चोट लगी और उसकी मौत हो गई। सिविल लाइन पुलिस ने आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। मूलत: जूना बिलासपुर पचरी घाट की रहने वाली निधि केंवट और मंगला के शत्रुहन पटेल के बीच प्रेम संबंध था।23 वर्षीय निधि की 26 वर्षीय शत्रुघ्न ने की हत्या कर दी। दोनों बीते पांच सालों से मंगला के यादव मोहल्ला में शत्रुहन के घर में लिव इन में रह रहे थे। मृतक और उसका प्रेमी दोनों चखना सेंटर चलाते थे। आरोपी शत्रुहन मौके से फरार हो गया था। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची सिविल लाइन पुलिस ने आरोपी युवक को तखतपुर से हिरासत में लिया। हत्या का जुर्म दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

स्कूली विद्यार्थियों को कराया जा रहा संयंत्र एवं खदानों का शैक्षणिक भ्रमण

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देशन में जिले के हाई/हायर सेकेण्डरी विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने एवं उन्हें आधुनिक तकनीकों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करने हेतु विभिन्न पावर प्लांटों के संयंत्रों व कोल माइंस का शैक्षणिक भ्रमण कराया जा रहा है। इसी कड़ी में शासकीय हाईस्कूल रामपुर सहित अन्य 5 विद्यालयों के 10-10 विद्यार्थियों को एसईसीएल मानिकपुर खदान एवं मानिकपुर वर्कशॉप का भ्रमण कराया गया। इस दौरान सब-एरिया मैनेजर मानिकपुर श्री एच के प्रधान, माइन प्रबंधक श्री सी. के. सोनवानी, कार्मिक प्रबंधक श्री शक्ति कुमार, प्रबन्धक श्री राकेश मिश्रा एवं, सीनियर ओवेरमन श्री शैलेश महापात्र सहित अन्य उपस्थित थे। भ्रमण के दौरान श्री शक्ति कुमार एवं श्री शैलेश महापात्रा द्वारा विद्यार्थियों को मानिकपुर खदान का इतिहास, कोयले की उत्पत्ति, खदान से कोयला उत्खनन् और परिवहन के साथ ही आधुनिक तकनीकी मशीनों के संबंध में पूर्ण जानकारी दी गई। स्कूली छात्र-छात्राओं में शैक्षणिक भ्रमण के प्रति काफी उत्साह नजर आया। विद्यार्थियों ने खदान में कोल उत्खनन, परिवहन में प्रयुक्त होने वाले वृहद नए उपकरणों को नजदीक से अवलोकन करने का अवसर मिला जिससे उनके भीतर तकनीकी षिक्षा के प्रति रूचि बढ़ी है।

कीटनाशक सेवन कर किशोरी ने दी जान

कोरबा(विश्व परिवार)। कटघोरा क्षेत्र में रहने वाली एक 17 वर्षीय किशोरी ने चूहा मार दवा का सेवन कर लिया। हालत बिगडने पर उसे अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती किया गया। जहां उसकी मौत हो गई। किशोरी का नाम भारती केंवट बताया गया है,जिसने अज्ञात कारणों से यह कदम उठाया। पिता ने बताया,कि रात में उसने और भारती ने एक साथ भोजन किया,फिर सोने चले गए। सुबह पुत्री ने उसे स्वास्थ्य सही नहीं होने की बात बताई,जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती किया गया। तब जाकर परिजनों को किशोरी द्वारा चूहा मार दवा का सेवन कर लेने की बात पता चली। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। माना जा रहा है कि कीटनाशक के रासायनिक प्रभाव से यह सब हुआ है। बहरहाल मामले में पुलिस ने मर्ग पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर ली है।

जिला कार्यालय में मनाया गया आतंकवाद विरोधी दिवस

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देशन में अपर कलेक्टर श्री दिनेश नाग ने आतंकवाद विरोधी दिवस के अवसर पर कलेक्टोरेट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आतंकवाद और हिंसा का विरोध करने तथा विघटनकारी शक्तियों से डटकर लड़ने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्री मनोज कुमार, डिप्टी कलेक्टर श्री विकास चैधरी, श्री तुलाराम भारद्वाज, श्री रोहित सिंह, श्री गौतम सिंह सहित जिला कार्यालय के विभिन्न शाखाओं के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्ट्रेट के सभी अधिकारी कर्मचारियों ने देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास बनाए रखने, मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव तथा सूझबूझ कायम करने और मानव जीवन के मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली एवं विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की शपथ ली। गौरतलब है कि प्रतिवर्ष 21 मई को आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य आम लोगों के कष्टों को सामने लाकर और यह दर्शा कर कि आतंकवाद किस तरह राष्ट्रीय हित के विरूद्ध है युवाओं को आतंक और हिंसा के रास्ते से दूर करना है।

रेलवे संपत्ति की चोरी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

कोरबा(विश्व परिवार)। भारत सरकार के सबसे बड़े और लाभकारी उपक्रम में शामिल रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का काम विभिन्न क्षेत्रों में आसामाजिक तत्व कर रहे हैं। ऐसे मामलों में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने का काम जारी है। कोरबा में रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स ने रेलवे संपत्ति की चोरी से संबंधित एक मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ रेलवे कोर्ट में पेश किया । रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स की कोरबा यूनिट के प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि इस मामले में चक्रवर्ती बराई पिता कृष्णा बरई और अरुल बड़ाई पिता सेंगर बरई निवासी मोती सागरपारा मुक्ति धाम को धारा 3ए आरपी (यूपी) एक्ट अपराध संख्या 26 ध् 18 में गिरफ्तार किया गया है। बताया गया कि दोनों आरोपियों के द्वारा बीते वर्ष में रेलवे संपत्ति की चोरी कोरबा क्षेत्र से की गई थी। उस समय कार्रवाई करते हुए अपराध दर्ज किया गया।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर शुक्रवार 24 मई 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

भारत में जनसंख्या असंतुलन की समस्या

विडम्बनात्मक दोहराव से बचा

बंगाल में कांग्रेस के दो दिग्गजों मल्लिकार्जुन खरगे और अधीर रंजन चौधरी में ममता बनर्जी को लेकर खींची तलवारें फिलहाल म्यान में चली गई हैं। ऐसा कर पार्टी ने अपने आपको इतिहास के उस विडम्बनात्मक दोहराव से बचा लिया है। तब ऐसे ही अस्तित्वगत सवाल पर कांग्रेस की तत्कालीन 'फायरब्रांड' नेता ख्यात ममता बनर्जी ने पार्टी छोड़ दी थी। अपनी तृणमूल कांग्रेस बना ली थी और कुछ सालों बाद वह 'मां, माटी और मानुष' के नारे पर दशकों के कायम वामपंथी शासन को उखाड़ फेंका था। दूसरे नम्बर पर रही कांग्रेस इसके बाद राजनीतिक वनवास में चली गई थी, जबकि बंगाल में आजादी के बाद से दशकों तक सत्ताधारी रही थी। इसके बाद का इतिहास आज का वर्तमान है, जिस पर तृणमूल है, कांग्रेस और वामदल अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। इनमें कांग्रेस सत्ता के लिए कुछ अधिक ही अधीरता से प्रयासरत है। इस तर्क से कि बंगाल की सत्ता से 50 साल बाहर रहने के कारण उसके विरु द्ध सत्ता विरोधी विचार खुरच गए हैं। इस बीच आई नई पीढ़ी में उसके प्रति कोई पूर्वाग्रह नहीं है और वह आसन्न भाजपा के बजाय कांग्रेस को वरीयता दे सकती है। इसके लिए सही मोहरे चलना होगा-जनता को तृणमूल कांग्रेस की ज्यादतियों से ही भिड़ना, जो वामशासन की बुराइयों की याद दिलाती है। आम जनता को इस अवसर की प्रतीक्षा है। लोक सभा चुनाव में भले बंगाल में भाजपा को अब वरीयता मिल जाए पर विधानसभा में कांग्रेस जमीनी पार्टी के रूप में मतदाताओं की पहली पसंद हो सकती है। इसके लिए ममता के विरोधाभासों पर हमलावर होते दिखते रहना है। यह केवल अधीर की निजी नहीं बल्कि कांग्रेस-कैडर की आम राय है। इसलिए बंगाल में कांग्रेस के 'चौधरी' अधीर रंजन को ही खरगे ने जब पार्टी से बाहर जाने का विकल्प रखा तो उनकी तस्वीर काली कर दी गई। आलाकमान की राय से यह खुला विद्रोह था। अधीर केवल ममता के दोमुंहेपन का विरोध कर रहे थे। अच्छा हुआ कि आलाकमान ने खरगे से कहलवा दिया कि चौधरी बंगाल में कांग्रेस के लड़ाकू सिपाही हैं। यह उनमें ममता से कार्यशैलीगत साम्यता की स्वीकारोक्ति है। उधर, ममता ने भी 'इंडिया' के प्रति अपनी राय मेंड कर ली है। वैसे भी चुनाव के मोड को देखते हुए कोई भी राजनीतिक आगे के रास्ते के बारे में मुतमईन नहीं है। नतीजा कुछ भी हो सकता है।

डा. अश्विनी महाजन

हमारी आबादी, विशेष रूप से मुस्लिम आबादी को शैक्षिक रूप से उन्नत करने की तत्काल आवश्यकता है। इससे कुल प्रजनन दर और इसलिए जनसंख्या वृद्धि दर को कम करने में मदद मिल सकती है प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएमईएसी) द्वारा हाल ही में जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार 1950 से लेकर 2015 तक कुल जनसंख्या में बहुसंख्यक हिंदू आबादी की हिस्सेदारी में 7.82 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि मुस्लिम आबादी की हिस्सेदारी में 43.15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि कई अन्य देशों में भी, जहां बहुसंख्यक आबादी गैर-मुस्लिम थी, उसकी हिस्सेदारी में कमी आई है और अल्पसंख्यक आबादी जो मुस्लिम है, की हिस्सेदारी बढ़ी है। यह प्रवृत्ति म्यांमार और नेपाल में भी देखी गई। पाकिस्तान और बांग्लादेश में जहां मुस्लिम खुद बहुसंख्यक हैं, उनकी हिस्सेदारी बढ़ी है। यानी सवाल अल्पसंख्यकों की आबादी बढऩे का नहीं, बल्कि दुनिया में मुस्लिम आबादी बढऩे का है, जिसका असर यूरोप समेत दुनिया के अधिकांश देशों में देखा जा रहा है। अगर बात सिर्फ भारत की करें तो जहां 1950 में हिंदुओं की आबादी का हिस्सा 84.68 प्रतिशत था, वो 2015 तक घटकर सिर्फ78.06 प्रतिशत रह गया, जबकि इसी दौरान मुस्लिम आबादी का हिस्सा 1950 में 9.84 प्रतिशत से बढक़र 2015 में 14.09 प्रतिशत हो गया। गौरतलब है कि भारत की कुल जनसंख्या 1951 में 36.1 करोड़ से बढक़र 2015 में 132.29 करोड़ हो गई और इसी तरह हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई समेत सभी समुदायों की आबादी में भी बढ़ोतरी हुई है। लेकिन खास बात यह है कि मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर अन्य सभी जातीय समूहों से ज्यादा रही है। जबकि, हिंदू आबादी 1951 में 30.57 करोड़ से बढक़र 2001 में 82.75 करोड़ हुई (यानी 2.0 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर), मुस्लिम आबादी 3.55 करोड़ से बढक़र 13.8 करोड़ हो गई (2.75 प्रतिशत

की भारी वार्षिक वृद्धि दर), सिखों की जनसंख्या 0.69 करोड़ से बढक़र 1.94 करोड़ हो गई और ईसाइयों की जनसंख्या 0.83 करोड़ से बढक़र 2.41 करोड़ हो गई, यानी 50 वर्षों में क्रमश: 2.09 प्रतिशत और 2.15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर। कुछ लोगों का तर्क है कि पिछले दो दशकों में मुस्लिम जनसंख्या वृद्धि की गति धीमी हो गई है। हालांकि, यह सच है कि 2001 से 2015 के बीच विभिन्न जातीय समूहों की जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट आई है, लेकिन मुस्लिम जनसंख्या वृद्धि अभी भी अन्य धार्मिक समूहों से बहुत आगे है। हम देखते हैं कि वर्ष 2001 और 2015 के बीच हिंदुओं, मुसलमानों, सिखों और ईसाइयों की जनसंख्या वृद्धि दर क्रमश: 1.61, 2.17, 1.68 और 1.82 रही। इस रिपोर्ट से सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में यह नैरेटिव फैलाया जा रहा है कि भारत में अल्पसंख्यकों, खास तौर पर मुसलमानों को दबाया और सताया जाता है, लेकिन आंकड़े इस नैरेटिव को पूरी तरह से नकारते हैं। भारत की जनसांख्यिकी में सामान्य परिवर्तन : गौरतलब है कि भारत में 1951 में कुल प्रजनन दर 5.9 थी, जो 1981 में घटकर 4.80 और 2011 में 2.56 हो गई। हाल ही में आए आंकड़ों के अनुसार 2024 में भारत में कुल प्रजनन दर 2.12 तक पहुंच गई है। गौरतलब है कि जनसांख्यिकी सिद्धांत के अनुसार जब किसी देश की कुल प्रजनन दर 2.1 से नीचे गिरती है, तो उस देश की जनसंख्या कुछ समय बाद घटने लगती है। इसलिए प्रजनन दर का 2.12 तक पहुंचना जनसंख्या के लिए खतरे की घंटी है। पिछले कुछ समय से भारत में कुल प्रजनन दर में लगातार गिरावट के कारण अब यह स्पष्ट होता जा रहा है कि हम ऐसी स्थिति में पहुंच चुके हैं, जहां से कुछ समय बाद वास्तविक जनसंख्या में कमी आनी शुरू हो जाएगी। गौरतलब है कि चीन में ऐसी स्थिति पहले ही आ चुकी है। यूरोप के कई देश भी इसी स्थिति से गुजर रहे हैं। अफ्रीका के बाद भारत भी उन चंद देशों में शामिल है, जहां जनसंख्या में वृद्धि हो रही है, लेकिन अब भारत में भी जनसंख्या में कमी आने की आशंका जताई जा रही है। लेकिन ऐसे में पीएमईएसी की रिपोर्ट यह भी संकेत देती है कि भले ही आने वाले समय में कुल जनसंख्या में कमी आएगी, लेकिन उसमें भी हिंदुओं की जनसंख्या, जो पहले से ही आनुपातिक रूप से कम हो रही है, इसमें निरपेक्ष रूप में भी कमी होनी शुरू हो सकती है, जबकि मुस्लिम जनसंख्या में वृद्धि जारी रहेगी। हम कह सकते हैं कि हिंदू जनसंख्या के नुकसान की भरपाई मुस्लिम जनसंख्या में वृद्धि से होगी। शिक्षित वर्ग की जनसंख्या में गिरावट की संभावना : जनगणना और अन्य रिपोर्टों से पता चलता है कि निरक्षर और कम शिक्षित महिलाओं में कुल प्रजनन दर 2011 में 3.17 रही। लेकिन स्नातक या उससे ऊपर की महिलाओं में प्रजनन दर जो 1991 में 1.62 थी, 2011 में घटकर 1.40 रह गई और अभी भी इसमें और गिरावट की पूरी संभावना है। इसी तरह, स्नातक से कम शिक्षित अन्य महिलाओं में भी प्रजनन दर अपेक्षाकृत कम होती है। यदि हम शिक्षा के मामले में विभिन्न धार्मिक समूहों की तुलना करें, तो यह स्पष्ट है कि मुस्लिम समुदाय अभी भी हिंदुओं की तुलना में कहीं अधिक पिछड़ा हुआ है और इसलिए संभावना है कि मुस्लिम आबादी में वृद्धि जारी रहेगी, जबकि हिंदू आबादी में गिरावट आ सकती है। उल्लेखनीय है कि 2001 की जनगणना के अनुसार हिंदुओं में साक्षरता दर 65.8 प्रतिशत थी, जबकि मुसलमानों में यह केवल 59.1 प्रतिशत थी। अगर हम उच्च शिक्षा की बात करें तो हम देखते हैं कि 2001 में 18 से 25 वर्ष की आयु वर्ग में मुस्लिम समुदाय में स्नातक और अधिक शिक्षित लोगों की संख्या केवल 6.7 प्रतिशत थी, जबकि हिंदुओं में यह 12.5 प्रतिशत थी। शिक्षा और कुल प्रजनन दर के बीच संबंधों को देखते हुए, हम सहज रूप से कह सकते हैं कि कम शिक्षित मुस्लिम महिलाएं अधिक बच्चों को जन्म देती हैं, जबकि अधिक शिक्षित महिलाओं में प्रजनन दर कम होती है। यानी मुस्लिम आबादी में वृद्धि और हिंदू आबादी में कमी को हिंदुओं और मुसलमानों के बीच शिक्षा के स्तर में अंतर से भी समझाया जा सकता है।संतुलन कैसे लाया जाए : एक आम धारणा है कि मुसलमान अपनी परंपराओं, दर्शन और धार्मिक मान्यताओं के कारण बड़े परिवार रखते हैं। अतीत में गरीब हिंदू भी यह मानते थे कि बच्चे भगवान की देन हैं, लेकिन अधिकांश मुसलमान अपने आर्थिक और शैक्षिक पिछड़ेपन के कारण अभी भी उसी पर विश्वास करते हैं (यानी बच्चे अल्लाह की देन हैं।

विशेष लेख

किसी भी पद के लिए उम्र सीमा निर्धारित नहीं

अवधेश कुमार

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जेल से सशर्त अंतरिम जमानत पर बाहर आने के साथ अपने वक्तव्यों से जिस तरह की चुनावी रणनीति को अंजाम दिया है उसे समझने की आवश्यकता है। उन्होंने इंडिया के नेताओं से बिल्कुल अलग यह कहा है कि अगले वर्ष सितम्बर के बाद नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री रहेंगे ही नहीं। अगले वर्ष सितम्बर में मोदी जी 75 वर्ष के हो जाएंगे और उन्होंने स्वयं भाजपा के लिए पद पर रहने वालों की उम्र सीमा 75 वर्ष निर्धारित कर दी है। तो वे अपने बनाए नियम के अनुसार स्वयं ही रिटायरमेंट ले लेंगे। जब वह रहेंगे नहीं तो स्वाभाविक है कि प्रधानमंत्री किसी और को बनाएंगे। वे गृह मंत्री अमित शाह को प्रधानमंत्री बना देंगे क्योंकि वही उनके करीबी हैं। वे यह भी कह रहे हैं कि सत्ता में वापस आते ही योगी आदित्यनाथ को भी मुख्यमंत्री पद से हटा देंगे। अरविंद केजरीवाल की बुद्धि, चतुराई और धूर्तता पर कुछ कहने और लिखने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें पता है कि चाहे जितना विरोध करें नरेंद्र मोदी का प्रभाव आम लोगों पर इतना है कि आसानी से बड़ी संख्या में लोगों को उनके विरुद्ध कर देना या उनके विरोध में वोट डलवा देना संभव नहीं है। लोकप्रियता और जन विश्वास के मामले में इस समय नरेंद्र मोदी सभी नेताओं पर भारी हैं । भाजपा और राजग को मिलने वाले मत में सबसे ज्यादा अनुपात उन्हीं के नाम का शामिल है। मोदी है तो मुमकिन है जैसा नारा भी उनको केंद्र बिंदु रख कर ही दिया गया है। आम लोगों में उनकी संख्या बहुत बड़ी है जो नरेंद्र मोदी की ईमानदारी, देश के प्रति प्रतिबद्धता, वंचित, गरीब , महिलाओं , युवाओं के लिए बहुत कुछ करने की भावना तथा देश को हर तरह से सुरक्षित रखने की उनकी नीति पर आंख मुंद कर विश्वास करते हैं। तो अरविंद केजरीवाल की रणनीति है कि अगर लोगों में यह भाव पैदा हो गया कि मोदी जी अगले वर्ष सितंबर के बाद प्रधानमंत्री रहेंगे ही नहीं तो उनके नाम पर वोट देने के पहले वह विचार करेंगे। वे सोचेंगे कि आगे प्रधानमंत्री दूसरे को होना है तो हमें उसको वोट देना चाहिए या नहीं देना चाहिए। दूसरे , योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता भाजपा संगठन परिवार के साथ बाहर भी है। उनके समर्थक लगातार उन्हें शीर्ष पर लाने का अभियान चलाते रहते हैं। तो उनको भी संदेश दिया जाए कि ये योगी जी को मुख्यमंत्री ही नहीं रहने देंगे। यानी हर तरह से योगी समर्थकों और मोदी समर्थकों को भाजपा का विरोधी बनाकर विरोधी दलों के लिए मतदान करने की रणनीति पर केजरीवाल चल रहे हैं। प्रश्न है कि क्या इसका वैसा ही प्रभाव होगा जैसा केजरीवाल सोचते हैं? यह सच है कि 2014 में सत्ता में आने के बाद भाजपा के अंदर यह संदेश गया कि 75 वर्ष की उम्र सीमा नेताओं के सक्रिय राजनीति में रहने की बनाई गई है। इस पर औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री या अन्य किसी नेता ने कभी अधिकृत बयान नहीं दिया। पार्टी के अंदर यह भाव जरूर था और अनेक नेता सक्रिय राजनीति से बाहर हो गए। लालकृष्ण आडवाणी और पूर्व लोक सभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन का नाम उनमें बड़ा है। डॉ. मुरली मनोहर जोशी सहित ऐसे कई नेताओं के बारे में माना जाता है कि उन्हें टिकट नहीं मिला, पार्टी या सरकार में भूमिका नहीं दी गई तो केवल उम्र सीमा के कारण। पार्टी में मार्गदर्शक मंडल के नाम से एक इकाई भी खड़ी हुई जिसमें बुजुर्ग नेताओं को शामिल किया गया। माना जाता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने आडवाणी एवं वाजपेयी के शीर्ष पर रहते समय ही उम्र सीमा की बात की थी। 2004 में भाजपा की पराजय के कुछ समय बाद तत्कालीन सरसंचालक कु.सी. सुदर्शन ने एक टीवी चैनल को साक्षात्कार देते हुए कहा था कि हम कहते हैं कि अटल जी और आडवाणी जी को स्वयं मार्गदर्शक की भूमिका में आकर नई पीढ़ी को आगे करना चाहिए। यानी उम्र सीमा के साथ नेतृत्व परिवर्तन की बात संघ ने की थी। हालांकि इसके बावजूद संघ ने 2009 में आडवाणी को प्रधानमंत्री की उम्मीदवारी का समर्थन किया। आज का सच दूसरा है। वीएस येदियुरप्पा को 75 वर्ष पार करने के बावजूद कर्नाटक के मुख्यमंत्री बनाया गया और आज भी वे भाजपा की शीर्ष निर्णयकारी इकाई संसदीय बोर्ड के सदस्य हैं। संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति में 80 पार के लोग भी हैं। इस तरह अब 75 वर्ष की उम्र सीमा का बंधन व्यवहार में दिखाई नहीं पड़ रहा है।

एजेंसियों के छापों से बॉन्ड वसूली....

हरिशंकर व्यास

अभी जब तक यह पता नहीं चलता है कि किस कंपनी ने किस पार्टी को कितना चंदा दिया है तब तक इसे संयोग ही मानें कि चुनावी बॉन्ड खरीदने वाली पांच सबसे बड़ी कंपनियों में से तीन के यहां प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग ने छापा मारा था। इस बात को थोड़ा और विस्तार दें तो एक आंकड़ा यह है कि 12 अप्रैल 2019 से लेकर 24 जनवरी 2024 तक यानी करीब पांच साल में जिन कंपनियों ने चुनावी बॉन्ड खरीदा है उनमें से 30 सबसे बड़ी कंपनियां ऐसी हैं, जिनमें से 14 के यहां किसी न किसी केंद्रीय एजेंसियों का छापा पड़ा है या कार्रवाई शुरू हुई है। यह भी संयोग है कि कुछ कंपनियों को बड़े सरकारी ठेके मिले उससे ठीक पहले या ठीक बाद उन्होंने चुनावी बॉन्ड खरीदे। सो, जब तक सारे आंकड़े नहीं आते हैं और जब तक बॉन्ड के यूनिक कोड से मिलान नहीं हो जाता है कि किसका खरीदा बॉन्ड किसको मिला तब तक इसे संयोग मानें। लेकिन उन आंकड़ों के बगैर यह तो हकीकत है कि सबसे 50 फीसदी से ज्यादा चंदा भाजपा को मिला है तो केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के दायरे में आईं कंपनियों का भी ज्यादा चंदा उसी के खाते में गया होगा। बहरहाल, सबसे ज्यादा चुनावी बॉन्ड लॉटरी किंग के नाम से मशहूर सैंटियागो मार्टिक की कंपनी फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज ने खरीदी हैं। कंपनी ने 27 अक्टूबर 2020 से पांच अक्टूबर 2023 तक यानी तीन साल में 1,368 करोड़ रुपए का चुनावी बॉन्ड खरीदा है। इस बीच 2022 में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की थी और धन शोधन के मामले में उसकी 409 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की थी। इसी तरह सबसे ज्यादा बॉन्ड खरीदने वाली दूसरी कंपनी मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड है, इसने 966 करोड़ रुपए का चुनावी बॉन्ड खरीदा है। इस कंपनी के ऊपर अक्टूबर 2019 में आयकर विभाग ने छापा मारा था। इसके बारे में एक रिपोर्ट यह भी है कि कंपनी ने महाराष्ट्र में ठाणे-बोरीवली टनल रोड का 14 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा ठेका मिलने से एक महीने पहले 140 करोड़ रुपए का चुनावी बॉन्ड खरीदा था। ऐसे ही तीसरी बड़ी कंपनी है वेदांता लिमिटेड। इस ग्रुप की कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड, के ऊपर अगस्त 2022 में धन शोधन के एक मामले में ईडी ने छापा मारा था। इस समूह ने कुल मिला कर चार सौ करोड़ रुपए का चुनावी बॉन्ड खरीदा है। चौथी बड़ी कंपनी हल्दिया एनर्जी लिमिटेड। इस कंपनी ने 377 करोड़ रुपए का चुनावी बॉन्ड खरीदा था। इसके खिलाफ मार्च 2020 में सीबीआई ने कार्रवाई की थी। इसी तरह हैदराबाद की कंपनी यशोदा सुपर हॉस्पिटल के ऊपर दिसंबर 2022 में आयकर का छापा पड़ा था। हालांकि कंपनी ने इससे एक साल पहले ही अक्टूबर 2021 में 162 करोड़ रुपए का बॉन्ड खरीदा था। डीएलएफ कॉमर्शियल डेवेलपर्स लिमिटेड के यहां जनवरी 2019 में सीबीआई ने और नवंबर 2023 में ईडी ने छापा मारा था। इस कंपनी ने 130 रुपए का चुनावी बॉन्ड खरीदा है। जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड ने 123 करोड़ रुपए का चुनावी बॉन्ड खरीदा है। इस कंपनी के ऊपर अप्रैल 2022 में ईडी ने कार्रवाई की थी।इस तरह के कई पैटर्न आंकड़ों का विश्लेषण करने पर मिल रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक बताया गया है कि नवंबर 2022 में एक ही दिन अनेक बड़ी दवा कंपनियों ने चुनावी बॉन्ड खरीदे थे। उनके बॉन्ड किसको गए और एक ही दिन खरीद का क्या राज था, यह भी कुछ समय के बाद ही पता चलेगा।

भारत के धनवान

भारत ना सिर्फ सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश बना रहेगा, बल्कि सबसे तेजी से अति धनी लोगों की संख्या भी यहीं बढ़ेगी। दरअसल, इन दोनों ही परिघटनाओं में गहरा संबंध है। यह बात रिपोर्ट तैयार करने वाले अध्ययनकर्ताओं ने भी कही है। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक भारत में अति धनी व्यक्तियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। अगले चार साल में इस तादाद में और भी ज्यादा तेज रफ्तार से बढ़ोतरी होगी। बड़ी तस्वीर तो यह है कि यह वृद्धि दुनिया में सबसे तेज दर से होगी। इस तरह भारत दुनिया में अति धनवान व्यक्तियों की संख्या में सबसे तेज वृद्धि दर दर्ज करने वाला देश बन जाएगा। भारत से जो देश पीछे छूट जाएंगे, उनमें चीन भी शामिल है। भारत में यह दर 50.1 प्रतिशत रहेगी, जबकि चीन में 47 फीसदी। स्पष्टत: भारत ना सिर्फ सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश बना रहेगा, बल्कि सबसे तेजी से अति धनी लोगों की संख्या भी यहीं बढ़ेगी। दरअसल, इन दोनों ही परिघटनाओं में गहरा संबंध है। यह बात नाइट फ्रैंक संस्था के अध्ययनकर्ताओं ने भी कही है, जिनकी ताजा रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत के अति धनवान लोगों के शौक क्या हैं। रिपोर्ट में अति धनवान उन लोगों को माना गया है, जिनके पास तीन करोड़ डॉलर- यानी लगभग सवा दो सौ करोड़ रुपये- से अधिक की संपत्ति है। अब यह देखना दिलचस्प है कि इन लोगों की पसंद क्या है। बताया गया है कि पिछले वर्ष लग्जरी घड़ियों, कलाकृतियों और जेवरात पर इन लोगों के खर्च में क्रमश: 138, 105 और 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यानी संकेत यह है कि ये लोग किसी उत्पादक कार्य में धन लगाने के बजाय विलासिता पर अधिक खर्च कर रहे हैं।तो अनुमान लगाया जा सकता है कि इनकी आमदनी का प्रमुख स्रोत शेयर-बॉन्ड-ऋण बाजार-वायदा कारोबार आदि यानी वित्तीय संपत्तियों में निवेश है। यह एक चक्र है। इनके निवेश से ये बाजार चमकते हैं और फिर उससे इन लोगों को होने वाले लाभ में बढ़ोतरी होती है। ये सारी बढ़ोतरी देश के जीडीपी में भी गिनी जाती है। तो कहा जा सकता है कि आम अर्थव्यवस्था के समानांतर जो एक वित्तीय अर्थव्यवस्था खड़ी हुई है,

सियासत में उपेक्षित वीरभूमि का सैन्य बलिदान

प्रताप सिंह पटियाल

हुक्मरानों को हिमाचल प्रदेश के सैन्य बलिदान से मुखातिब होना होगा। सशस्त्र सेनाओं में वीरभूमि के दमदार सैन्य इतिहास के मद्देनजर राज्य के सैन्य भर्ती कोटे में बढ़ोतरी होनी चाहिए। युवाओं के मुस्तकबिल से जुड़े इस मुद्दे पर सूबे की लीडरशिप को राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का पक्ष पूरी शिद्दत से रखना होगा इस बात में कोई दो राय नहीं है कि हिमाचल प्रदेश के गौरवशाली सैन्य पराक्रम व देश के लिए सैकड़ों सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान ने राज्य को 'वीरभूमि' का सम्मान दिलाया है। वतन-ए-अजीज के स्वाभिमान के लिए जंग का मैदान हो या देश को मजबूत सियासी नेतृत्व प्रदान करने के लिए सत्ता का संग्राम, राज्य के लाखों सैनिक दोनों मोर्चों पर अपनी अहम भूमिका अदा करते आए हैं, मगर विडंबना है कि सैन्य परिवारों तथा सामरिक विषयों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे किसी भी सियासी दल के चुनावी घोषणापत्र में शामिल नहीं होते। प्रदेश के पूर्व सैनिक कई वर्षों से भारतीय सेना में अपने राज्य की अलग पहचान के लिए हिमाचल रेजिमेंट के गठन की मांग करते आ रहे हैं, मगर राज्य की प्रतिष्ठा से जुड़े इस मुद्दे की आवाज सियासी तौर पर उस शिद्दत से बुलंद नहीं हुई कि मरकजी हुकूमत के सियासी गलियारों में सुनाई दे सके। नतीजतन यह मुद्दा उपेक्षा का शिकार हो गया। सैन्य परिवारों की संख्या के मद्देनजर राज्य में 'पूर्व सैनिक अंशदान स्वास्थ्य योजना' (ईसीएचएस) व आर्मी कैंटीनों का विस्तार होना चाहिए। सीएसडी डिपो, सैन्य अकादमी व सैनिक स्कूल खोलने की मांग भी लंबे वक्त से हो रही है। पहाड़ की विषम परिस्थितियों के मद्देनजर राज्य में रोजगार के सीमित साधन होने के कारण ज्यादातर युवा अपने कैरियर के लिए सशस्त्र सेनाओं का रुख करते हैं, लेकिन हमारे देश में सेना में जवानों की नियुक्ति का पैमाना 'रिक्रूटेबल मेल पापुलेशन' (आरएमपी)

इंडेक्स सिस्टम पर आधारित है। बड़ी आबादी वाले राज्यों को सैन्य भर्ती की वैकेंसी जनसंख्या के आधार पर प्रदान की जाती है। यानी शौर्य पराक्रम के इतिहास व योग्यता से ज्यादा आबादी को तरजीह दी जाती है। प्रश्न यह है कि यदि किसी सूबे में किसी समुदाय की आबादी तेज रफ्तार से बढ़ रही है तो क्या जनसंख्या को आधार बनाकर उस राज्य की सैन्य भर्ती की वैकेंसी में इजाफा कर दिया जाएगा? भारत में जनसंख्या विस्फोट एक बड़ी चुनौती बन चुका है। यदि कोई राज्य जनसंख्या संतुलन को बरकरार रखने के लिए देशहित में राष्ट्रवादी नजरिए की मिसाल कायम कर रहा है तो क्या कम आबादी का हवाला देकर उस राज्य की सेना में वैकेंसी घटा दी जाएगी? किसी राज्य के कुर्बानियों से लबरेज सैन्य इतिहास को नजरअंदाज कर दिया जाएगा? बेशक जम्हूरियत के निजाम में इक्तदार हासिल करने के लिए आबादी का अंकगणित एक महत्वपूर्ण फैक्टर है। परंतु जनसंख्या की अहमियत व जाति-मजहब के समीकरण तथा सियासी मंचों से जज्बाती तकरीरें केवल वोट बैंक साधने के लिए मुफीद हो सकते हैं। जब पड़ोस में जम्हूरियत को रक्तरंजित करने वाले चीन व पाकिस्तान जैसे नामुराद मुल्क सरहद पर हरदम भारत को दहलाने का मंसूबा तैयार करके बैठे हों तो आरएमपी सिस्टम या जनसंख्या कोई मायने नहीं रखते। दुश्मन देशों से निपटने के लिए फिद्दा-ए-वतन के जज्बात रखने वाले रणबांकुरों की जरूरत होती है। वीरभूमि के सैन्य पराक्रम की विरासत पर हर प्रदेशवासी गर्व महसूस करता है। बड़े राज्यों की अपेक्षा आबादी व क्षेत्रफल में छोटा राज्य हिमाचल सैन्य वीरता पदकों की संख्या में शीर्ष पर काबिज है। देशरक्षा के मोर्चे पर राज्य के सपूतों का बलिदान बाकी राज्यों की अपेक्षा कहीं अधिक है। दो विश्व युद्ध, आजाद हिंद फौज, देश के लिए पांच बड़े युद्ध, यूएनओ मिशन के तहत विदेशी भूमि पर शांति सैन्य अभियान तथा कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर राज्यों तक आतंक विरोधी सैन्य आपरेशनों में वीरभूमि के सैनिकों ने अदम्य साहस के कई सुनहरे मजमून लिखे हैं। जंगे अजीम में दो 'विक्टोरिया क्रॉस', आजादी के बाद चार 'परमवीर चक्र', तीन 'अशोक चक्र' तथा तेरह 'महावीर चक्र' रणभूमि में दुश्मन के समक्ष शूरवीरता के ये आलातरीन सैन्य पदक वीरभूमि के सैनिकों की दास्तान-ए-शुजात की तस्दीक करते हैं। आजाद हिंद फौज के सैन्य एजाज से सरफराज जांबाज कर्नल 'मेहर दास', 'सरदार-ए-जंग' कै. 'बख्शी प्रताप सिंह', 'तगमा-ए-शत्रुनाश' लेफ्टिनेंट 'अमर चंद', 'तगमा-ए-बहादुरी' कै. 'हरि सिंह', 'शेर-ए-हिंद' लेफ्टिनेंट 'सुखदेव चौधरी', 'वीर-ए-हिंद' कै. ठाकुर राम सिंह तथा तख्ता-ए-दार पर झूलने वाले क्रांतिकारी मेजर दुर्गामल व कै. दल बहादुर थापा। भले ही वर्तमान में पहाड़ की सैन्य पृष्ठभूमि के ये नाम गुमनामी के अंधेरे में जा चुके हैं, मगर देश की आजादी के लिए अंग्रेजों की सफ्फाक हुकूमत से लडऩे वाले उन इंकलाबी चेहरों की कर्मभूमि हिमाचल प्रदेश ही था। दरअसल जाति-मजहब की सदारत करने वाले सियासी रहनुमाओं व सियासी जमातों की देश में कोई कमी नहीं है। आजादी के बाद से देश के लाखों भूतपूर्व सैनिक व उनके परिवार सियासी रहनुमाओं को सत्ता के सिंहासन पर विराजमान करने में अपना योगदान दे रहे हैं। भूतपूर्व सैनिकों के लिए सरकारी नौकरियों में कोटा जरूर निर्धारित हुआ है। उसका भी अक्सर विरोध होता है, मगर देश के तमाम इदारों पर नियंत्रण सियासी व्यवस्था का ही होता है। राज्यसभा में कला, साहित्य व मायानगरी से ताल्लुक रखने वाले बारह सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामांकित किए जाते हैं।, लेकिन 'स्वयं से पहले राष्ट्र' के सिद्धांत पर काम करने वाली भारतीय सेना के अनुभवी भूतपूर्व सैनिकों की सियासी व्यवस्था में भागीदारी सुनिश्चित नहीं हुई। नतीजतन राष्ट्रीय सुरक्षा व सैनिकों तथा आजादी के परवानों से जुड़े मुद्दे जम्हूरियत की पंचायतों में चर्चा का मरकज नहीं बनते। सियासी इच्छाशक्ति के अभाव में कारगिल के बलिदानी कै. सौरभ कालिया की पाक सेना द्वारा की गई हत्या का मुकद्दमा अंतरराष्ट्रीय न्यायालय तक नहीं पहुंच पाया। 'वन रैंक वन पेंशन' का मुद्दा दशकों तक लंबित रहा।

संक्षिप्त समाचार

क्षेत्रीय अधिवेशन केशोरायपाटन में प्रिंट मीडिया की आवश्यकता पर होगा चिंतन और मंथन

जयपुर (विश्व परिवार)। जैन पत्रकार महासंघ (रजि) के तत्वावधान में श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र केशोरायपाटन जिला बूंदी में महासंघ का क्षेत्रीय अधिवेशन 9 जून दोपहर 1:30 बजे परम पूज्य गणिनी आर्यिकारत्न श्री स्वस्तिभूषण माता जी के ससंघ सानिध्य में राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया जी की अध्यक्षता में होगा। जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन बडजात्या ने अवगत कराया कि उक्त अधिवेशन में राजस्थान के साथ निकटतम प्रान्तों से जैन पत्रकार, संपादक, संवाददाता, लेखक व प्रकाशक सम्मिलित होंगे। अधिवेशन के पश्चात राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग में भी पत्रकारों के हित में अनेक निर्णय लिए जाएंगे। कार्यक्रम मुख्य संयोजक राकेश जैन चपलमन कोटा राष्ट्रीय मंत्री जैन पत्रकार महासंघ, जिला संयोजक कोटा पारस जैन, जिला संयोजक बूंदी महावीर सरावगी, जिला संयोजक जयपुर चक्रेश जैन एवं मुकेश जैन केशोरायपाटन कार्यक्रम संयोजक होंगे। जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री मनीष जैन विद्यार्थी शाहगढ के अनुसार उक्त अधिवेशन में प्रिंट मीडिया की आवश्यकता एवं जैन पत्रकारों के संरक्षण विषय पर चिंतन और मंथन किया जाएगा। -**उदयभान जैन**

आरटीई के अंतर्गत ड्राप आउट विद्यार्थियों की जानकारी देने के निर्देश

रायपुर (आरएनएस)। स्कूल शिक्षा सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने सभी जिला कलेक्टरों से आरटीई अंतर्गत ड्राप आउट विद्यार्थियों की जानकारी स्कूल शिक्षा विभाग को उपलब्ध कराने निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टरों को जारी पत्र में कहा गया है कि जिले के गैर अनुदान प्राप्त विद्यालयों के प्रबंधक, प्राचार्यों की बैठक 10 दिवस के भीतर बुलाकर यह समीक्षा करें कि इनके विद्यालय में कितने विद्यार्थियों ने आरटीई के तहत प्रवेश लिया था तथा उनमें से कितने बच्चे पढ़ाई छोड़कर ड्राप आउट हो गए हैं। यह जानकारी पत्र के साथ निर्धारित प्रारूप में भेजी जाए। कलेक्टरों से यह भी कहा गया है कि विगत 5 वर्षों में ड्राप आउट हुए बच्चों की जानकारी प्राप्त कर समीक्षा करें तथा ड्राप आउट रोकने की दिशा में समुचित पहल करने का कष्ट करें, जिससे जिले में आरटीई की मंशा के अनुरूप सभी बच्चे अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण कर सकें।

अमलेश्वर में 26 से पंडित प्रदीप मिश्रा सुनाएंगे शिवमहापुराण की कथा

दुर्ग-रायपुर (आरएनएस)। पंडित प्रदीप मिश्रा इन दिनों छत्तीसगढ़ में हैं। कुरूद में शिवपुराण कथा करने के बाद पंडित प्रदीप मिश्रा के द्वारा दुर्ग के अमलेश्वर में शिवपुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। शिव महापुराण कथा का आयोजन 26 मई से से 2 जून तक होगा। इस कथा को लेकर आयोजन स्थल पर तैयारी भी जोरों से जारी है। यहां गर्मी को देखते हुए भक्तों की सुविधा के लिए खास तौर पर इंतजाम किए जा रहे हैं। बताया गया कि इस प्रवचन को सुनने के लिए लोग दूर-दूर से पहुंचेंगे। लोगों को कथा स्थल तक पहुंचने के लिए परेशानी न हो और यातायात सुगम रहे, इसके लिए रायपुर पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। वहीं कथा स्थल तक आने-जाने के लिए मार्ग परिवर्तित किया गया है। पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील है कि, रायपुर से कथा स्थल पहुंचने के लिए भाठागांव चौक होते हुए काठाडीह मार्ग और खुड़मुड़ा नदी पुल से होकर अमलेश्वर कथा स्थल तक पहुंचे। इसी तरह टाटीबंध से कुम्हारी चौक, परसदा, मगरघटा होते हुए ग्राम भोथली और एम.टी. वर्कशॉप रोड का इस्तेमाल करते हुए कथा स्थल जाएं।

अपने भाग्य के सूर्य को जगाये रखना चाहते हो तो सूर्य ऊगने से पहले उठिये : मुनिश्री प्रमाणसागर जी महाराज

विदिशा (विश्व परिवार)। अपने भाग्य के सूर्य को जगाये रखना चाहते हो तो सूर्य ऊगने से पहले उठिये जो सूर्योदय के पश्चात भी सोते रहते है उनके भाग्य का सूरज भी जल्दी ढल जाता है, उपरोक्त उद्गार संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य भावना योग प्रणेता मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने प्रात: भावना योग कराते हुये व्यक्त किय।

जैन समाज के प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज का स संघ मंगल विहार चल रहा है, संघस्थ मुनि श्री निर्वेग सागर जी एवं मुनि श्री संघान सागर जी महाराज के साथ छुल्लक एवं संघस्थ ब्रहम्चारी शामिल है, मुनि संघ के विदिशा आगमन से नगर में जैन एवं जैनेत्तर समाज में वहुत उत्साह का बातावरण है। मुनिश्री के संघ सानिध्य में दिनांक 3 जून से 8 जून तक श्री धर्मनाथ दिगम्वर जैन मंदिर सागर रोड़ विदिशा में जिनविम्व पंचकल्याणक महामहोत्सव आयोजित है।ज्ञातव्य रहे मुनि श्री ने पिछले कई वर्षों से भावना योग के माध्यम से वृहमांड की समस्त शक्तियों का परिचय कराकर आम जनता को दीर्घायु के साथ स्वस्थ जीवन जीने की कला सिखाई है जिसका लाभ समूचे भारत में जैन एवं जैनेत्तर समाज उठा रही है। उनके इस भावना योग से कई मानसिक एवं शारिरिक रूप से ग्रसित लोगों को लाभ मिला है मुनि श्री के प्रेरणादायक उपदेशों से प्रभावित होकर विदिशा नगर की समाज सेवा में सक्रिय जैन गुरवर सेवा समिति के शिशिर जैन, मनीष सिंघई, राजेशपाटौदी, विशाल सिंघई आदि युवावर्ग ने पिछले दिनोंअरिहंत विहार जैन मंदिर में योग की कक्षा मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज कि लाईव कार्यक्रम के साथ किया इस अवसर पर मुनि श्री ने वह्ममुहुर्त में उठने के फायदे गिनाते हुये कहा कि आजकल के युवकों को एक बहूत बड़ी बीमारी हो गयी है, जिस समय पर हम लोग उठतेहै, उस समय तो वह लोग सोते है उन्होंने चेतावनी देते हुये कहा प्रकृति के विरूद्ध जाओगे तो गम्भीर वीमारीओं से ग्रसित रहोगे और प्रकृति के साथ चलोगे, तो आपकी चेतना भी जाग्रत रहेगी जो बोद्धिक एवं शारिरिक स्तर पर स्फूर्ति प्रदान करेगी, सूर्योदय से पूर्व उठने से आपके हार्मोन्स सक्रिय रहते है, वह आपको और अधिक ऊर्जा प्रदान करते है, इस समय बृह्माण्ड की सारी शक्तियाँ आपके साथ रहती है। दयोदय महासंघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया प्रतिदिन विदिशा नगर से बड़ी संख्या में जैन एवं जैनेत्तर श्रद्धालु मुनिसंघ का आशीर्वाद लेंने पहुंच रहे है भाग्योदय तीर्थ पर पहुंचकर विदिशा नगर के समाजसेवी पंकज हृदयमोहन जैन, विद्यासागर संस्कार केंद्र पाठशाला संयोजक मुकेश जैन बड़ाघर दयोदय गौ शाला के अध्यक्ष आकाश जैन ने मुनि श्री से संघ सहित दयोदय गौ शाला उदयगिरि पर पधारने का अनुरोध किया एवं आशीर्वाद लिया। -**अविनाश जैन**

शिवनाथ नदी के पीछे अवैध प्लास्टिक पर संयुक्त टीम ने की कार्रवाई

दुर्ग-रायपुर (आरएनएस)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र में शिवनाथ नदी के पीछे करीब 40 से 45 एकड़ जमीन पर अवैध प्लाटिंग की जा रही थी।इसके लिए यहां भू-माफ्या द्वारा मुरुम डालकर रास्ता बना लिया गया था, जिसे बुधवार शाम आधी तूफ़ान और बरसते पानी के समय जिला प्रशासन एवं निगम प्रशासन के अमला ने जेसीबी की मदद से उखाड़ फेंका। इस मामले की शिकायत रेरा में की गई थी। शिकायत के आधार पर कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश के बाद निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के मार्गदर्शन में एक्शन लेते हुए कड़ी कार्रवाई की गई।अवैध प्लाटिंग करने वालों ने यहां मुरुम बिछाकर सड़क बना ली थी।शिवनदी के पीछे अवैध प्लाटिंग पर जिला प्रशासन, नगर निगम एवं टाउनकंट्री प्लानिंग् की संयुक्त कार्रवाही, जिसे बुधवार शाम कब्जाधारियों के विरोध के बाद भी सख्ती से कार्रवाही की गई, कार्रवाही के दौरान एसडीएम मुकेश रावटे, डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुवव, भवन अधिकारी गिरीश दीवान, तहसीलदार प्रफ्फुल गुप्ता, राजस्व व अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता एवं ग्राम व नगर निवेश न विभाग दुर्ग के संयुक्त संचालक व निगम अमला की मौजूदगी में उखाड़ दिया गया। जेसीबी से मुरुम बिछाकर बनाई गई रोड व अन्य को ध्वस्त कर दिया गया। नगर निगम के भवन अधिकारी गिरीश दीवान ने बताया कि कार्रवाई के बाद मौके पर एक सूचना बोर्ड लगा दिया गया है कि उक्त जमीन पर अवैध प्लाटिंग की जा रही है। ज्ञात हो कि उक्त मामले की शिकायत छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा), रायपुर में की गई थी। जिसकी शिकायत की प्रतिलिपि जिला प्रशासन को भेजी गई थी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक अब तक जमीन किसी को भी नहीं बेची गई है। उल्लेखनीय है कि शहर में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ समय-समय पर कार्रवाई की जा रही है। वहीं प्रशासन द्वारा राजस्व विभाग के अमला को भी अवैध प्लाटिंग पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है।इसकी सूचना मिलने पर कार्रवाई के लिए भी निर्देशित किया गया है।दुर्ग के ग्राम पुलगांव में अवैध प्लॉटिंग के उद्देश्य से बनाए गए निर्मित संरचना को आज नगर निगम और राजस्व की संयुक्त कार्यवाही से जेसीबी के माध्यम से ध्वस्त करने की कार्यवाही की गई।

जिला, नगर निगम एवं नगर निवेश विभाग ने एक साथ उठाया सख्त कदम

आर्यिका श्री सृष्टि भूषण माताजी का संघ सहित धर्म नगरी ललितपुर में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

ललितपुर (विश्व परिवार)। रत्नों मूंगे की नगरी मुंगावली मध्य प्रदेश की कोहिनूर 60 वर्षीय गणनीआर्यिका परम पूज्य 105 श्री सृष्टि भूषण माताजी एवम् आर्यिका श्री विश्वयश मति जी का प्रथम बार बुंदेलखंड के सिद्ध क्षेत्र के लिए प्रभावना पूर्वक बिहार चल रहा है। ललितपुर मंदिर पंचायत के डा अक्षय, आकाश जैन अक्षय अलया मीडिया प्रभारी अनुसार आर्यिका संघ का ललितपुर में प्रथम बार प्रवेश 23 मई को हुआ। आर्यिका संघ की मंगल शोभा यात्रा का दिगंबर जैन अटा मंदिर में समापन हुआ।जुलूस में शताधिक महिलाए मंगल कलश मस्तक पर धारण कर चल रही थी नगर के पुरुष वर्ग परंपरागत सफेद परिधान में और समाज के विभिन्न महिला धार्मिक मंडल नियत वेशभूषा मैं अनुशासन में भक्ति पूर्वक नृत्य कर जुलूस की शोभा में वृद्धि कर रहे थे। ललितपुर समाज के निवेदन को स्वीकार करआर्यिका संघ ने आज नगर के जिनालयों के दर्शन कर श्री का अभिषेक शांति धारा का वाचन किया। मंदिर में धर्म सभा में चित्र अनावरण, दीप प्रवज्जलन और आर्यिका संघ को जिनवाणी भेंट राहुल मुंगावली सुरेंद्र इंदौर श्रीमती सुषमा भोपाल राजेश पंचोलिया इंदौर, निधि देहली मुकेश नजफगढ़, अरुण टीकमगढ़, राजेंद्र टीकमगढ़ महेंद्र बानपुर एवम बाहर से पधारे अतिथियों द्वारा किया गया। मंगलाचरण द्वारा ज्योति जैन ने प्रस्तुत किया। स्वागत भाषण आकाश जैन महामंत्री ने दिया उपरोक्त बाहर से पधारे आर्यिका संघ के परिजनों का एवम टीकमगढ़, बानपुर, बड़ा मल्हारा, नजफगढ़ स्वागत मंदिर पंचायत कमेटी एवम महिलाओं द्वारा किया गया।मीडिया प्रभारी अक्षय अलया एवम डा सुनील संचय अनुसार आर्यिका श्री विश्वयश मति माताजी ने प्रवचन को पर वचन निरूपित किया।मुश्किल से मिले मनुष्य जीवन में जिनालय संत समागम से छोटे छोटे नियम लेने और संस्कार शिविर के माध्यम से जीवन के निर्माण करने की प्रेरणा दी।आपका जीवन भी नीचे से ऊपर उठे। गणनी आर्यिका श्री सृष्टि भूषण माताजी ने छोटे सरल भाषा में उपदेश में बताया कि आज प्रारंभ संस्कार शिविर से जीवन में बदलाव लाने का प्रयास पुरुषार्थ करें। मकान जायदाद की बहुत रजिस्ट्री कराई हैं अब परमात्मा के यहां पहुंचने टिकट, रजिस्ट्री रतनत्रय धर्म के माध्यम से करावे जिससे संसार में जन्म मरण के आवागमन से मुक्त हो जावेगे। माताजी ने बस्ती और मरघट की व्याख्या की। प्रत्येक होने वाली मृत्यु यह संदेश चिंतन का अवसर देती है की एक दिन हमारा भी मृत्यु का नंबर आयेगा। आज से 10 दिवसीय नगर के अनेक मंदिरों में संस्कार शिविर का शुभारंभ एवं मंगल कलश की स्थापना पुण्यार्जक परिवार द्वारा आर्यिका संघ सानिध्य में की गई। -**राजेश पंचोलिया**

महिलाओ ने कलश यात्रा निकाली

मुनि भगवान नहीं है किंतु भक्त उन्हें भगवान मानता है यही उसकी भक्ति है : मुनिश्री सुधा सागरजी महाराज

दमोह (विश्व परिवार)। महान आत्माएं अपनी दृष्टि में कितनी भी गिर जाएं किंतु भक्त की दृष्टि में सदैव महान बनी रहती हैं मुनि भगवान नहीं है किंतु भक्त उन्हें भगवान मानता है। यही उसकी भक्ति है जिस तरह बालक पानी में चंद्रमा की परछाई को सही का चंद्रमा मान लेता है इसी तरह भक्त को पाषाण में भी परमात्मा नजर आते हैं जैन दर्शन में मूर्ति की पूजा नहीं किंतु मूर्तिमान की पूजा होती है जैन दर्शन में व्यक्ति की पूजा नहीं वरन गुण की पूजा की जाती है भगवान गुण के समूह हैं उनके गुण चंद्रमा की तरह नहीं क्योंकि उसमें दाग है चंद्रमा की चांदनी की तरह है।

उपरोक्त उद्गार निर्यापक मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज ने दिगंबर जैन धर्मशाला में चल रहे सात दिवसीय श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर के दूसरे दिवस भक्तांबर की क्लास में अभिव्यक्त किए इसके पूर्व मुनि श्री का पद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य डॉ आई सी जैन को प्राप्त हुआ।

शिविर की प्रात: 5 बजे से विभिन्न कक्षाओं को मुनिगढ़ बहुत कुशलता से ले रहे हैं जिनमें श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ बहुत उत्साह के साथ सम्मिलित हो रही है शिविर में 8 साल से ऊपर के बच्चों के लिए सांगानेर से आमंत्रित युवा विद्वान कक्षाएं ले रहे हैं। मुनिश्री ने अपने प्रवचनों में आगे कहा कि दिगंबर जैन दर्शन पावर थिंकिंग पर आधारित है वह भक्त को इतना मजबूत बना देता है वह किसी से नहीं डरता भक्त के हौसलों को इतना ऊपर उठा देता है कि वह है भगवान तक पहुंचने के लिए मौत से भी नहीं डरता वह मगरमच्छ और खतरनाक जीव जंतुओं से भरे हुए समुद्र को लांघकर भी भगवान से मिलना चाहता है जिस तरह हिरनी अपनी शक्ति का विचार किए बिना अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए शेर से भी लड़ जाती है जब मौत भी भक्त को ना डरा सके तब भक्तांबर सिद्ध होता है। इसके पूर्व प्रात काल 6 बजे से 7 बजे तक निर्यापक मुनि श्री वीर सागर जी महाराज ने जीवन जीने की कला पर आधारित अपनी कक्षा में कहा आज का मानव साधन संपन्न होने के बावजूद भी सुख शांति से नहीं रह पा रहा है उसका जीवन तनावग्रस्त है जीवन को आनंदमय बनाने के लिए नम्र बनना होगा जीवन की उह पोह को रोकने के लिए उसे स्वयं से पांच प्रश्न करने चाहिए मैं कौन हूं मेरे गुण क्या है कहां से आया हूं मुझे जीवन में क्या पाना है क्यों मुझे पाना है प्रतिदिन उसको रात्रि में आज मैंने क्या-क्या किया और क्यों किया इस पर विचार करना चाहिए। सुनील जैन वेजीटेरियन से प्राप्त जानकारी। -**अभिषेकजैन लुहाड़िया**

स्व.शांति यदु द्वारा स्थापित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था ऋचा की मासिक बैठक ईरा पंत जी द्वारा वृंदावन हॉल में सम्पन्न हुई

रायपुर (विश्व परिवार)। स्व.शांति यदु द्वारा स्थापित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था ऋचा की मासिक बैठक ईरा पंत जी द्वारा वृंदावन हॉल सिविल लाइंस में आयोजित की गई।

इस बैठक का मुख्य ध्येय पिछले माह 21अप्रैल को ऋचा के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की समीक्षा के रूप में था जिसमें सभी सदस्यों ने अपने विचार रखे और अगले कार्यक्रम की बेहतरी के लिए अनेक निर्णय लिए गए। यही ऋचा परिवार की खासियत भी है कि कार्यकारिणी के अतिरिक्त भी हरेक सदस्य को ऋचा की फिक्र और जिम्मेदारी महसूस होती है।

शुरुआत में आयोजक ईरा पंत द्वारा सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए सचिव नीता श्रीवास्तव को मंच सौंपा गया। नीता श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलन के साथ मां शारदे और मां शांति यदु के माल्यार्पण हेतु आयोजक के साथ संरक्षक प्रदीप यदु, अध्यक्ष लतिका भावे तथा कल्पना यादव जी को आमंत्रित किया। ईरा जी ने अपनी समधुर आवाज में सरस्वती वंदना गा कर मां का आव्हान किया। मीडिया प्रभारी मीना शर्मा की अनुपस्थिति में ईरा जी द्वारा पिछले कार्यक्रम की रिपोर्ट पढ़ी गई। संरक्षक प्रदीप यदु जी ने अपने उद्बोधन में नए सदस्यों के स्वागत के साथ कई नए परिवर्तनों की घोषणा की तथा प्रत्येक सदस्य से सुझाव देने का आग्रह किया। हर्ष का विषय यह भी है इस बार ऋचा में अंचल के सुप्रसिद्ध साहित्यकार डा सुरेश तिवारी, डा सिद्धार्थ श्रीवास्तव एवं डा कमल वर्मा तथा गजल के सशक्त हस्ताक्षर शायर सुखनवर हुसैन जी एवं आलिम नकवी जी नए सदस्य के रूप में शामिल हुए जिनका अध्यक्ष लतिका भावे जी द्वारा पुष्प से स्वागत किया गया।

नीता श्रीवास्तव द्वारा ऋचा की नियमावली पढ़कर नए सदस्यों को ऋचा के अनुशासन एवं कार्यक्रम संबंधी नियमों से अवगत कराया गया।

कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तन कार्यकारिणी में भी किए गए जिसके अनुसार अध्यक्ष लतिका जी ने दो वर्ष उपरांत अपना पद भार सक्रिय एवं वरिष्ठ सदस्य डा मंजुला हर्ष श्रीवास्तव को ढेर सारे स्नेह और पुष्पगुच्छ के साथ ससम्मान सौंप दिया। साथ ही वरिष्ठ कवयित्री शकुंतला तरार एवं मधु सक्सेना जी को सर्वसम्मति से उपाध्यक्ष पद के लिए नियुक्त किया गया। सभी नए पदस्थ सदस्यों का जोरदार तालियों से स्वागत हुआ। तत्पश्चात नए सदस्यों ने अपनी रचनाओं से हम सबको मुग्ध कर दिया। कल्पना यादव जी द्वारा आभार ज्ञापन और अंत में ग्रुप फोटो, गर्म चाय और स्नेक्स के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

उक्त बैठक में संरक्षक प्रदीप यदु, मंजू यदु, कल्पना यादव, नीता श्रीवास्तव, ईरा पंत, किरण वैद्य, अमृता शुक्ला, आशा मानव, चंद्रकांता अग्रवाल, कमल वर्मा, चंद्रकला त्रिपाठी, जे के डागर, दिलीप वर्वंडकर के पी सक्सेना, साधना सक्सेना चितरंजन कर, माधुरी, आलिम नकवी, सुखनवर, मंजुला हर्ष, शकुंतला तरार सुनीता वर्मा, सुरेंद्र रावल, सिद्धार्थ श्रीवास्तव, लतिका भावे, अमरनाथ त्यागी, अंजू यदु, सुरेश तिवारी, शामिल हुए।

भाजपा सरकार में प्रदेश में बिजली कटौती, लो वोल्टेज की समस्या बढ़ी : कांग्रेस

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार में आम जनता को मांग के अनुसार बिजली नहीं मिल रहा है। बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या से शहर और गांव की जनता जूझ रहे हैं। कांग्रेस की सरकार के दौरान 23 घंटा बिजली की आपूर्ति होती थी। गर्मी के दिनों में मांग बढ़ने पर दूसरे राज्यों से भी बिजली की खरीदी किया जाता था और आम जनता को 23 घंटा बिजली की आपूर्ति की जाती थी। रवि फसल लगाने वाले किसानों को भी बोरवेल चलाने के लिए बिजली निशुल्क मिलता था।

धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की सरकार के दौरान बिजली आपूर्ति निर्बाध गति से चले इसके लिए ट्रांसफार्मर के पावर बढ़ाए गए थे नए ट्रांसफार्मर लगाए गए थे। ट्रांसमिशनों को अपग्रेड किया गया। भाजपा की सरकार में चार माह में ही बिजली की व्यवस्था चरमरा गई है आम जनता सड़कों पर उतरकर बिजली की समस्या को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि रमन सरकार के दौरान भी बिजली एक बड़ी समस्या थी गांव में बिजली गुल होना आम बात हो गई थी और चार माह में वही स्थिति फिर निर्मित हो गई है।

जलकुंभी से त्रिवेणी संगम ने ओढ़ी हरी चादर

छत्तीसगढ़ के प्रयाग नगरी राजिम त्रिवेणी संगम की हालत दिनों दिन हो रही खराब

राजिम (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के प्रयाग नगरी के त्रिवेणी संगम में जलकुंभी इस तरह से फैल गया है कि चारों तरफ नदी हरी चादर ओढ़ चुकी है। संगम एनीकट के बाद तो स्नान करना ही मुश्किल हो रहा है। पुल के नीचे ही सोनतीर्थ घाट है जहां प्रदेश के अलावा देशभर से लोग अस्थि विसर्जन, मुंडन संस्कार, पिंडदान के लिए पहुंचते हैं। जैसे ही विसर्जन के लिए नदी में आते हैं फिर उनकी तकलीफ शुरू हो जाती है। बिना जलकुंभी को वहां से हटाएं वह स्नान नहीं कर पाते हैं। ऊपर से यदि घाट में कोई जगह खाली हो तो कुछ महिलाएं छलनी लेकर नदी में डूबकर रेत निकाल उसमें पैसे, सोने, चांदी खोजते हैं इसके कारण पानी गंदा हो जाता है। मजबूरन बाहर से आए हुए लोगों को गंदे पानी पर ही स्नान कर अस्थि विसर्जन करना पड़ रहा हैं। धमतरी जिले से पहुंचे यादराम साहू और उनके परिवार नदी की इस दयनीय स्थिति को देखकर आश्चर्य में पड़ गए। इन्होंने कहा कि यह गाद तो पूरे नदी को बर्बाद कर दिया है। ऐसे में छत्तीसगढ़ के इस त्रिवेणी संगम की मान्यता खतरे में पड़ रही है। यह जलकुंभी तेजी से बढ़ने वाला है। गनीमत है की एनीकट के उस पार नहीं गया है। बताना होगा कि नेहरू पुल के नीचे कुछ ही दूरी पर एक और एनीकट बना हुआ है। इसमें बहुत कम मात्रा में पानी है लेकिन जलकुंभी से जकड़ा हुआ है। जानकारो की माने तो राज्य और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की जिम्मेदारी होती है कि वह नदी के पानी को प्रदूषित करने वालों को रोके और उन पर कड़ी कार्रवाई करें।

जलकुंभी से होने वाले नुकसान

बताया जाता है कि जलकुंभी से पानी में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है जिससे मछलियों की वृद्धि के अलावा अन्य जलीय वनस्पतियों और जीवों का दम घुटने लगता है। यह पानी के बहाव को 20 से 40त्न तक कम कर देती है। जलकुंभी की उपस्थिति के कारण पानी के वाष्पोत्सर्जन की गति तीन से आठ प्रतिशत तक अधिक बढ़ जाती है जिससे पानी का स्तर तेजी से कम होने लगता है। यही हाल पुल के नीचे का है। कुछ दिन पहले यहां पानी अच्छा भरा हुआ था लेकिन तेजी के साथ पानी कम हुआ है।

हमारे संवाददाता ने देखा कि नदी के बीचों-बीच कुछ मछुआरा जाल लेकर मछली मारने में लगे हुए थे। इनकी संख्या 5 से 6 के बीच थी यह पहले जलकुंभी को हटा रहे थे उसके बाद जाल के माध्यम से मछली पकड़ने में लगे हुए थे। क्योंकि पानी भी कम है ऐसे में पानी उनके कमर और ज्यादा गहरे पर छाती तक आ रहे थे। चूंकि नदी के मध्य में थे इसलिए इससे बातचीत नहीं हो पाई।

जलकुंभी को कैसे हटाएं, बन गई चिंता का कारण : इतने बड़े क्षेत्र में जलकुंभी फैला हुआ है कि इसे हटाने में ही लंबा वक्त लगेगा और काफी रुपया खर्चा भी होगा। वैसे भी शासन प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। लेकिन आम जनता के जेहन में यह सवाल बार-बार उठ रहे हैं कि नदी को स्वच्छ करना बहुत जरूरी है। कुछ जानकार लोगों ने बताया कि सुरसुरी के जातक अंडों से निकलकर तने में छेद कर इसमें घुस जाते हैं और धीरे-धीरे ऊतकों को खाकर तने को खोखला कर देते हैं जिससे जलकुंभी ऊपर से सूखने लगती है। धीरे-धीरे करके पौधा पानी में सड़ जाता है। वहीं उपस्थित रामखिलावन, धनंजय, भारत, राजू, बादल, मोहन साहू, दीनानाथ निषाद ने बताया कि नदी में किसी ने यह पौधा डाला होगा या फिर बाढ़ के साथ बहकर आया होगा क्योंकि यह तेजी से फैल रहा है। गज्जू, कृष्णा, अशोक कुमार ने कहा कि एनीकट में पानी ठहरा हुआ है। ठहरे हुए पानी पर बहुत जल्दी फैलता है। इसमें तेजी से पानी के धार चले तो सारे जालीय पौधा बह जाएगा और नदी स्वच्छ हो जाएगा। सभी के अपनी-अपनी बात है। पर इस समय संगम के अस्तित्व को बचाना बहुत जरूरी है। यह भी बताना जरूरी है कि यह वही त्रिवेणी संगम है जिसमें पुल के मंदिर वाले हिस्से पर कुंभ मेला लगता है। एनीकट के नीचे से जलकुंभी की चादर बिछी हुई है। लोग यह कह रहे हैं कि शासन और सरकार सिर्फ मेला के समय नदी में आना-जाना करते हैं उसके बाद तो पलट कर नहीं देखते। नतीजा नदी की हालत गंभीर होती जा रही है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर शुक्रवार 24 मई 2024

संक्षिप्त समाचार

अवैध गौण खनिज परिवहन करते 6 वाहन जप्त

जगदलपुर(विश्व परिवार)। कलेक्टर विजय दयाराम के.के निर्देशानुसार जिला खनिज जांच दल द्वारा 20 एवं 21 मई 2024 को बस्तर जिले के अंतर्गत नगरनार, मालगांव, बजावण्ड, बनियागांव, कोड़ेनार एवं कामानार क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया गया। जिस में खनिज रेत के अवैध परिवहन और उत्खनन कर रहे 6 वाहनों पर प्रकरण दर्ज करते हुए पुलिस अभिरक्षा में दी गई है। जिला खनिज अधिकारी शिखर चेरपा ने बताया कि जिले के उक्त क्षेत्रों में खनिज जांच दल द्वारा 20 एवं 21 मई को निरीक्षण के दौरान अनिल मौर्य पोटानार वाहन टिप्पर सीजी 26 सी 0130, मंगलराम बड़ांजी वाहन टिप्पर सीजी 17 केआर 5210, अजय कुमार कश्यप उलनार वाहन टिप्पर सीजी 17 केजे 8611, महेश मौर्य सिंघनपुर वाहन हाईवा सीजी 17 केएक्स 9746, रामसाय बघेल तुसेल वाहन टिप्पर सीजी 17 एच 2767 तथा हिरण पुजारी कोटपाड वाहन हाईवा सीजी 17 केएन 7309 को गौण खनिज रेत के अवैध परिवहन-उत्खनन करते पाए जाने पर खनिज मय वाहनों को जप्त कर पुलिस अभिरक्षा में सौंपते हुये वाहन मालिकों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही किया जा रहा है। उक्त कार्यवाही में जिला खनिज जाच उड़नदस्ता दल के खनि निरीक्षक श्री मिदुल गुहा तथा खनि सिपाही डिकेश्वर खरे, सीताराम, जलंधर बघेल एवं विकास नायक शामिल थे। उपरोक्त प्रकरणों में छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियमावली 2015 के नियम 71 तथा खान एवं खनिज विकास और विनियमन अधिनियम 1957 की धारा 21 के अंतर्गत दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जावेगी। पूर्व में भी जिले के खनिज ठेकेदारों, खनिज उत्खननकर्ताओं और परिवहनकर्ताओं को निर्देशित किया गया है कि बिना वैध अभिवहन पास एवं वैध अनुमति के खनिजों का उत्खनन एवं परिवहन करना दण्डनीय अपराध है। इसके बावजूद उक्त कृत्य करने के परिणामस्वरूप यह दंडात्मक कार्यवाही की जा रही है।

एक दिवसीय नि:शुल्क योग शिविर का आयोजन 24 मई को

रायपुर। योग का स्वस्थ जीवन में काफी अहम योगदान है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में, पूज्य गुरु माँ हँसा जी के मार्गदर्शन में 'द योग इंस्टीट्यूट शंकर नगर रायपुर' द्वारा नि:शुल्क योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सिंधु भवन, शंकर नगर में 24 मई, शुक्रवार को प्रात: 7 बजे से 8:30 बजे तक आयोजित होने वाले इस शिविर में योग, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया जाएगा एवं स्वस्थ जीवनशैली के महत्त्व पर चर्चा की जाएगी। केंद्र के संचालक मनजीत स्थापक ने बताया कि यह शिविर मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, नई दिल्ली और आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है और इस शिविर का उद्देश्य आज की जीवनशैली में योग की महत्ता और उपयोगिता को जनमानस तक पहुंचाना है। इस आयोजन में विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया जाएगा और ध्यान व योग से आज की जीवनशैली में होने वाले सकारात्मक प्रभाव पर चर्चा की जाएगी। विश्व की सबसे पुरानी इस योग संस्था को वर्ष 2014 में देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। विगत 103 वर्षों से द योग इंस्टीट्यूट की निदेशक डॉ हँसा जी योगेंद्र के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य और योग के प्रति लोगों को जागरूक करने में अथक प्रयास हेतु निरंतर कार्यरत हैं।

संस्थागत प्रसव को लेकर चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

बीजापुर(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अनुराग पाण्डेय के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में संस्थागत प्रसव को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है विभाग द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के नियमित बैठक में संस्थागत प्रसव के लिये विशेष पहल की जा रही है। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को अपने आंगनबाड़ी केन्द्र में अनुमानित प्रसव दिनांक वाले महिलाओं की सूची चस्पा किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। इसके साथ ही गर्भवती महिला की पहचान कर नियमित गृह भ्रमण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। और गृह भ्रमण के दौरान परिवार के सदस्यों को अस्पताल में प्रसव कराने की सलाह व उसका लाभ की जानकारी दिया जा रहा है, नौवें माह में कार्यकर्ता के द्वारा दो बार गृह भ्रमण कर प्रसव की पूर्ण तैयारी की जानकारी भी लिया जा रहा है। ऐसे सभी स्थानों जो कि स्वास्थ्य केन्द्र से काफी दूर है या जहां पर गाड़ी का जाना संभव नहीं है उन केन्द्र की कार्यकर्ताओं के द्वारा गर्भवती को प्रसव दिनॉक के 15 दिवस पूर्व ही अस्पताल में भर्ती किये जाने हेतु परिवार वालों को समझाइस एवं परामर्श देने के साथ अस्पताल में भर्ती किया जा रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गुण्डम आंगनबाडी केन्द्र इन्द्राआवास पडवाल वार्ड क्रमांक 02 आंगनबाडी केन्द्र जुनवानी से डिलवरी केस को भैरमगढ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं बासागुड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कर संस्थागत प्रसव कराया गया है।

जिले में आयर्वेद चिकित्सा पद्धति को मिल रहा बढ़ावा, मोबाइल मेडिकल यूनिट गांव-गांव पहुंच कर दे रही सेवाएं

कलेक्टर के पहल पर रेडक्रॉस सोसायटी से मिली मोबाइल मेडिकल यूनिट

जगदलपुर(विश्व परिवार)। जिले में आयुष विभाग द्वारा आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। कलेक्टर विजय दयाराम के. के निर्देशानुसार आयुष विभाग के द्वारा 30 बिस्तरयुक्त जिला आयुर्वेदिक चिकित्सालय में जहां बाह्य रोगी कक्ष एवं अन्त: रोगी कक्ष में मरीजों को समुचित उपचार सुविधाएं प्रदान किया जा रहा है। वहीं जिले के अंतर्गत विकासखण्डों में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के 43 आयुष स्वास्थ्य विंग तथा 26 आयुर्वेदिक औषधालयों की ओर से आयुर्वेदिक पद्धति से उपचार सुविधाएं दी जा रही है। साथ ही जिले के अंदरूनी गांवों में चिकित्सा पहुंचविहीन गांवों में मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से ग्रामीणों तक आयुर्वेद चिकित्सा को पहुंचाने का सकारात्मक पहल किया जा रहा है। जिससे आम लोगों में आयुर्वेदिक पद्धति से उपचार करवाने के प्रति जागरूकता के साथ ही रूझान बढ़ रहा है। यही वजह है कि जिले के अंदरूनी इलाकों में मोबाइल मेडिकल यूनिट के द्वारा विगत एक महीने में 584 से अधिक ग्रामीणों का उपचार किया गया है। जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. मोहनीश साहू ने इस सम्बंध में बताया कि जिले में जिला आयुर्वेदिक चिकित्सालय में हृदय रोग मधुमेह, रक्तचाप, चर्म रोग, स्त्री रोग एवं अन्य सभी रोगों का उपचार किया जाता है। वर्तमान में यहां पर आयुर्वेदिक पद्धति से अर्श रोग (बवासीर) का क्षार सूत्र पद्धति से उपचार किया जा रहा है। जिले के ग्रामीण इलाकों में आयुर्वेद चिकित्सा सुविधाओं को उपलब्ध कराए जाने पर ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर विजय दयाराम के. के सार्थक प्रयासों के फलस्वरूप रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा आयुष विभाग को एक मेडिकल मोबाइल यूनिट प्रदान किया गया है। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से प्रत्येक सप्ताह हर विकासखण्ड के अंदरूनी गांवों में आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर लगाकर ग्रामीणों को लाभान्वित किया जा रहा है।

शिक्षक अनधिकृत रूप से अनुपस्थित होंगे तो कार्यवाही होगी - कलेक्टर धर्मेश कुमार

सारंगढ़ बिलाईगढ(विश्व परिवार)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री धर्मेश कुमार साहू की अध्यक्षता में जिले के कार्यों और आवेदनों का समीक्षा समय सीमा के बैठक में किया गया। बैठक में लंबित आवेदनों के क्रमवार सभी जनपद, नगरीय निकाय, वन, राजस्व, महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस, सहकारिता, जनसंपर्क, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन, आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग, खाद्य, विद्युत कंपनी, अपेक्स बैंक सहित अन्य विभागों को प्राप्त आवेदनों पर चर्चा कर त्वरित निराकरण के लिए कलेक्टर ने निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि आगामी 4 जून को लोकसभा निर्वाचन का मतगणना होनी है। इसके लिए आवश्यक प्रशिक्षण, टेबल रनर, माइक्रो आब्जर्वर, गणना करने वाले अधिकारियों-कर्मचारी की व्यवस्था, ड्यूटी, परिचय पत्र जारी करने, पत्रकारों के मीडिया पास आदि के संबंध में अधिकारियों को निर्देशत किया। इसके साथ ही एसडीओपी अविनाश मिश्रा और पीडब्ल्यूडी अधिकारी को परिसर में पंडाल, बेरिकेटिंग, आगमन-बर्हिगमन, सुरक्षा का लेआउट तैयार करने के लिए कहा। कलेक्टर ने सीएमओ श्री राजेश पांडेय को मतगणना परिसर का सफाई करने के लिए निर्देश दिए। श्री धर्मेश साहू ने स्कूल प्रारंभ के संबंध में जानकारी लिया। बीईओ श्री नरेश चौहान ने बताया कि 18 जून के आसपास स्कूल प्रारंभ किया जाएगा। इसके पूर्व स्कूल में मरम्मत कार्य को पूरा किया जाएगा। कलेक्टर ने जिले के शिक्षकों को स्पष्ट किया कि वे अपने स्कूलों में नियमित रूप से अध्यापन करें। कोई बहाना नहीं चलेगा। यदि किसी स्कूल में दो शिक्षक पदस्थ हैं और वो स्वयं ड्यूटी निर्धारित कर एक दिन अनुपस्थित रहते हैं तो उनके अनुपस्थिति पर मैं कार्यवाही करूंगा। बैठक में एसडीएम श्री वासु जैन, डॉ. स्निग्धा तिवारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनिकेत साहू, डिप्टी कलेक्टर वर्षा बंसल, नोडल अधिकारी स्वीप हरिशंकर चौहान, सीएमएचओ अवधेश पाणिग्राही, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास आशीष बैनर्जी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी बृजेन्द्र ठाकुर, खाद्य अधिकारी चित्रकांत ध्रुव, मार्कफेड अधिकारी मनोज यादव, तहसीलदार शनि पैकरा, कोमल साहू, आयुष तिवारी, रूपाली मेश्राम, पूनम तिवारी, कमलेश सिदार, अन्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

बिना लाइट के रह रहे वृद्ध के घर समाजसेवियों ने पहुंचाई बिजली

रामानुजगंज(विश्व परिवार)। नगर के वार्ड क्रमांक 7 में रहने वाले वृद्ध अशोक कश्यप जो पहले मजदूरी का कार्य कर अपना जीवकोपार्जन करते थे। परंतु वृद्ध होने का अब उन्हें काम नहीं मिल रहा है अभी भी वह कार्य करना चाहते है। विगत कई माह से घर में लाइट नहीं है। इस भीषण गर्मी में बिना लाइट एवं पंखे के रहने को मजबूर थे इसकी जानकारी जब समाजसेवी विकास दुबे, युवा व्यवसायी अमित गुप्ता एवं टेंट व्यवसाय मितेश केसरी को लगी तो तत्काल इन लोगों के द्वारा घर में लाइट की व्यवस्था कराई गई वही पंखा एवं राशन प्रदान किया गया। नगर के वार्ड क्रमांक 7 के अशोक राम अत्यंत गरीबी में अपना जीवन यापन कर रहे हैं उनकी ऐसी स्थिति नहीं है कि घर में लाइट एवं पंखा भी लगा सके जिस कारण विगत कई महीनो से बिना लाइट पंखा के इस भीषण गर्मी में रह रहे हैं। शाम ढलते ही लकड़ी की व्यवस्था कर कर जैसे तैसे छोटे टोर्च की रोशनी से धुंधली आंखों से खाना बनाते हैं। अशोक राम मजदूरी का कार्य कर कर अपना जीवन यापन करते थे परंतु वृद्धि होने का अब जल्दी कोई काम देना नहीं चाहता है। अभी भी वह कार्य करना चाहते हैं कभी-कभार कोई दया खाकर काम दे भी दे देता है तो पूरा मजदूरी नहीं देता है परंतु वह उसमें भी संतुष्ट हो जाते हैं। उनकी व्यथा की जानकारी जब समाज सेवी विकास दुबे, युवा व्यवसायी अमित गुप्ता, टेंट व्यवसायी मितेश केसरी को लगी तो तत्काल में अशोक राम के घर पहुंचे एवं उनकी पीड़ा को समझाते हुए मानवता का परिचय देते हुए घर में लाइट लगवा कर पंखा एवं राशन प्रदान किया। चाहे तो जाकर और कोई कर सकते हैं मदद..... अशोक राम अत्यंत गरीबी में जी रहे हैं यदि कोई मदद करना चाहे तो मदद के रूप में उनसे मजदूरी भी करा सकता है।

शिक्षा के अधिकार अधिनियम के सभी प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए - सीईओ

निजी शालाओं के संस्था प्रमुखों की बैठक लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

बालोद(विश्व परिवार)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि जिले के सभी शासकीय शालाओं के साथ-साथ निजी शाओं में भी शिक्षा के अधिकार अधिनियम के सभी प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। डॉ. कन्नौजे ने दिन मंगलवार 21 मई को जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिले के निजी शालाओं के प्रमुखों की बैठक लेकर उक्ताशय के निर्देश दिए है। उन्होने कहा कि नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009, अप्रैल 2010 से प्रभावशील हो चुका है। इसके अंतर्गत गैर अनुदान प्राप्त अशासकीय विद्यालयों के प्रारंभिक कक्षाओं में 25 प्रतिशत् आरक्षित सीटों पर कमजोर एवं दुर्बल वर्ग तथा अलाभित समूह के बच्चों को उनकी पहुंच सीमा में प्रवेश दिलाया जाता है। उन्होने कहा कि इसके परिपालन में जिले के सभी निजी शालाओं में शिक्षा के अधिकार अधिनियम के सभी प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा। जिससे की सभी पात्र विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सकें। उन्होने ड्रॉप आउट हो चुके बच्चों की जानकारी पोर्टल में मार्क की कार्यवाही अनिवार्य रूप से करने के भी निर्देश दिए। बैठक में डॉ. कन्नौजे ने जिले में शिक्षा के अधिकार अधिनियम पालन सुनिश्चित कराने जिला स्तर पर निरीक्षण टीम का गठन कर निजी विद्यालयों में शिक्षा का अधिकार, शुल्क, मान्यता संबंधी आवश्यक दस्तावेजों का निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए।

वाहन चोर गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

चोरी की मोटर सायकिलों को बेचने के लिए ग्राहक तलाश करते पकड़े गये आरोपी

धमतरी(विश्व परिवार)। जिले की मगरलोड पुलिस ने चोरी की मोटरसायकल बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे चोर गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से 15 नग चोरी की मोटरसायकल बरामद की है। पकड़े गये आरोपियों में दो नाबालिग भी शामिल है। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार 21 मई को पुलिस की टीम को पेट्रोलिंग दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि देशी शराब भट्ठी के पास 4 संदिग्ध व्यक्ति दो अलग-अलग बिना नंबर की बजाज प्लेटिना मोटर सायकल को बेचने के लिये ग्राहक तलाश रहे है। सूचना पर पुलिस ने चारों संदिग्धों को पकड़कर उन्हें थाना लाकर पूछताछ किया तो आरोपियों ने पुलिस को बताया वे लोग चोरी की बाईक बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे है। पुछताछ में आरोपियों बताया कि ग्राम कुण्डेल फिंगेश्वर से दो नग हीरो पैसन प्रो, फिंगेश्वर से होण्डा लियो,अकलवारा छुरा से होण्डा स्पलेण्डर, महासमुंद से हिरो एचएफडिलक्स, माना रायपुर से दो नग सुपर स्पलेण्डर, तर्रीघाट फिंगेश्वर से बजाज प्लेटिना, नयापारा राजिम से एक हिरो एचएफडिलक्स एंव दो नग बजाज प्लैटिना, ग्राम टेकारी सड्डू रायपुर से एक एक्टिवा स्कूटी, ग्राम कस से एक पैसन प्रो मोटर सायकल को चोरी कर मोटर सायकल का पहचान छुपाने के लिये मोटर सायकल कर नंबर प्लेट निकालकर छिपाकर रखना एंव इस्तेमाल करना बताना साथ ही बेचने के लिये ग्राहक की तलाश करना बताया जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों ने सभी मोटर सायकिलों को बरामद कर आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा है। पकडे गये आरोपियों मे से दो आरोपी नाबालिग है जिन्हें बालक को किशोर न्याय बोर्ड में पेश किया गया है। मामले में पुलिस ने दो नाबालिग सहित राम सोनवानी पिता स्व. धनीराम सोनवानी उम्र 34 वर्ष साकिन ग्राम बेलरदोना थाना मगरलोड जिला धमतरी तथा सोमन सोनवानी पिता आनंद सोनवानी उम्र 19 वर्ष साकिन ग्राम परसदा कला थाना फिंगेश्वर जिला गरियाबंद को गिरफ्तार किया है।

बाढ़ आपदा प्रबंधन और राहत व्यवस्था की तैयारी के संबंध में कलेक्टर ने दिए निर्देश

आगामी माह से प्रारंभ होगा जिले में होगा वृहद वृक्षारोपण अभियान

रायगढ़(विश्व परिवार)। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने आज यहां कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आगामी वर्षा ऋतु में जिले में संभावित बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन के संबंध में अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने बाढ़ आपदा प्रबंधन और राहत व्यवस्था के संबंध में सभी आवश्यक संसाधनों की जानकारी लेते हुए तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि जिले में संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के साथ ही अन्य स्थानों पर भी नाव, तैराक दल, आवश्यक दवाएं आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाए। स्वास्थ्य विभाग को मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए जीवनरक्षक दवा और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को जल स्त्रोत उपचारित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव, एडीएम सुश्री संतन देवी जांगड़े, अपर कलेक्टर श्री राजीव कुमार पाण्डेय, आयुक्त नगर निगम सुनील कुमार चंद्रवंशी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री गोयल ने कहा कि पहुंच विहीन क्षेत्रों में जहां बाढ़ की स्थिति की संभावना रहती है वहां बाढ़ से प्रभावित लोगों के ठहरने, भोजन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की तैयारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के ऐसे क्षेत्र जहां प्रतिवर्ष बाढ़ आती है। इन क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने की व्यवस्था की जाए एवं लोगों को आवश्यकता पडने पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने व उनको ठहराने के लिए राहत कैम्प आदि की सम्पूर्ण योजना तैयार कर ली जाए। कलेक्टर श्री गोयल ने जिला एवं तहसील स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस सुरक्षा की व्यवस्था, नगर सेना द्वारा बाढ़ आपदा के बचाव सुरक्षा उपकरणों की तैयारी पर चर्चा किया गया। सभी तहसीलों से प्रतिदिन वर्षा रिपोर्ट की जानकारी 01 जून से नियमित रूप से देने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार खाद्य विभाग को इन क्षेत्रों में पर्याप्त राशन, केरोसीन एवं गैस के स्टॉक रखने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को जलजनित बीमारियों के रोकथाम हेतु दवाईयों के साथ सर्पदंश से बचाव हेतु इंटीवेनम की पर्याप्त मात्रा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषि विभाग को फसल क्षति के आंकलन तत्काल तैयार करने एवं फसलों के बचाव हेतु बल्क मैसेज के माध्यम से संदेश, पशु विभाग को पशुओं के टीकाकरण, परिवहन विभाग को वाहनों की व्यवस्था, जल संसाधन विभाग को बांध के जल स्तर के नियमित मॉनिटरिंग एवं पानी छोडने से पूर्व सूचना, पीडब्ल्यूडी को केलो बांध में पानी छोडने की स्थिति में चक्रपथ डायवर्सन, वन विभाग को बांस बल्ली तथा आयुक्त नगर निगम को शहरी क्षेत्र में राहत केन्द्र स्थापित करने के संबंध में निर्देश दिए। कलेक्टर से गोयल ने आगामी कृषि सीजन को देखते हुए केसीसी के प्रगति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कृषि विभाग से लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए लंबित केसीसी प्रकरणों को बैंक भेजने एवं एलबीओ को संबंधित प्रकरण का फॉलोअप लेने के निर्देश दिए।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर शुक्रवार 24 मई 2024

व्यापार समाचार

चौथी तिमाही में पेटीएम का राजस्व तीन प्रतिशत घटकर 2,267 करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली(एजेंसी)। वित्तीय सेवा कंपनी पेटीएम ने बुधवार को तिमाही नतीजों की घोषणा की। उसने बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में उसका राजस्व तीन प्रतिशत घटकर 2,267 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने बताया कि यह गिरावट प्रमुख रूप से वृहद आर्थिक चुनौतियों, बढ़ी प्रतिस्पर्द्धा और नियामकीय बदलावों के कारण आई है। पेटीएम ने कहा कि राजस्व घटने के बावजूद उसने मुनाफा बढ़ाने और परिचालन दक्षता में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। पूरे वित्त वर्ष के लिए परिचालन से प्राप्त राजस्व 25 प्रतिशत बढ़कर 9,978 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू (जीएमवी), डिवाइसों की संख्या और वित्तीय सेवाओं के ऑफर बढ़ने के कारण दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2023-24 में पेटीएम का ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू (जीएमवी) 39 फीसदी बढ़कर 18.3 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। मार्च 2024 तक प्लेटफॉर्म पर 1.07 करोड़ मर्चेंट सब्सक्राइबर थे जो एक साल पहले के मुकाबले 39 प्रतिशत ज्यादा है। विकास और परिचालन लाभ बढ़ने से कंपनी का ओवरऑल नुकसान 1,423 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले की तुलना में 354 करोड़ रुपये कम है। कंपनी ने बताया कि इसके अलावा, कर्मचारी स्टॉक स्वामित्व योजना (ईएसओपी) से पहले पेटीएम का 'ब्याज, कर, मूल्य ह्रास और अमॉर्टाईजेश से पहले का लाभ' (ईबीआईटीडीए) बढ़कर 559 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पेटीएम की भुगतान सेवाओं का आकार वित्त वर्ष 2023-24 में 6,235 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने कहा कि इस वृद्धि के पीछे विस्तृत पैमाने पर डिजिटल भुगतान को अपनाया जाना और मर्चेंट बेस के विस्तार पर कंपनी का जारी फोकस मुख्य वजह है। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में साल-दर-साल आधार पर भुगतान सेवा का राजस्व सात फीसदी बढ़कर 1,568 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। मार्केटिंग सेवाओं का कारोबार 14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,738 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2023-24 में यूपीआई के लिए प्रोत्साहन राशि के मद में कंपनी ने 288 करोड़ रुपये दिये जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह आंकड़ा 182 करोड़ रुपये था। प्लेटफॉर्म पर यूजरों की सक्रियता में सकारात्मक रुख रहा। साल-दर-साल आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में लेनदेन करने वाले यूजरों की औसत मासिक संख्या 9.6 करोड़ हो गई। अंतिम तिमाही में कंपनी को काफी अस्थायी बाधाओं का सामना करना पड़ा था। कंपनी ने एक नियामकीय फाइलिंग में कहा, ₹पेटीएम वॉलेट और फास्टैग जैसे पीपीबीएल के उत्पादों में पेटीएम के कारण उथल-पुथल रही। जैसा की हमने पहले कहा था, इन उत्पादों पर मौजूदा इमबार्गो के कारण हमें साल में ईबीआईटीडीए पर 500 करोड़ रुपये का प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा कि इसका ज्यादातर प्रभाव वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में दिखेगा क्योंकि अधिकतर उत्पाद 2023-24 की चौथी तिमाही में परिचालन में थे।

सोनी इंडिया ने लॉन्च किए असाधारण ऑडियो अनुभव प्रदान करने वाले और भारत के लिए विशेष रूप से तैयार एक्सएस-162जीएस तथा एक्सएस-160जीएस कार स्पीकर

नई दिल्ली : सोनी इंडिया ने आज ऑटोमोटिव साउंड खंड के लिए अपनी नवीनतम पेशकश, एक्सएस-162जीएस और एक्सएस -160जीएस कार स्पीकर का अनावरण किया। अपनी फैक्ट्री कार ऑडियो से सुनने का बेहतर अनुभव चाहने वालों के लिए बनाई गई, नई जीएस लाइन-अप अपनी बेहतरीन तरीके ट्यून किये गए अकूस्टिक के साथ एक शानदार सफ़र का वादा करती है। एक्सएस -162जीएस में 16 सेमी (6½) 2-वे कॉम्पोनेन्ट स्पीकर है, जबकि एक्सएस -160जीएस में 16 सेमी (6½) 2-वे कोएक्सियल स्पीकर है। सटीकता के साथ तैयार किए गए, इन स्पीकर में शानदार बेस के लिए कंपोजिट पॉलीप्रोपाइलीन कोन वूफ़र, रिस्पॉन्सिव नोट्स के लिए फ़ेम रबर सराउंड और नेचुरल साउंड डिस्पेंशन के लिए सिल्क सॉफ्ट डोम ट्वीटर जैसे फीचर हैं। वहनीयता के प्रति सोनी इंडिया की प्रतिबद्धता पर्यावरण के प्रति जागरूक पैकेजिंग और स्याही के कम उपयोग से ज़ाहिर होती है, जो पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी के प्रति उनके समर्पण को दर्शाती है।

एक्सएस -162 जीएस और एक्सएस -160जीएस कार स्पीकर विशेष रूप से भारत के लिए और भारतीय बाज़ार की प्राथमिकताओं और ज़रूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किए गए हैं। 350डब्ल्यू के पीक पावर और 60डब्ल्यू के आरएमएस के साथ, दोनों मॉडल स्पष्ट साउंड रिप्रोडक्शन के साथ बेहतर स्पष्टता और शक्तिशाली ऑडियो आउटपुट प्रदान करते हैं।

हरे निशान में खुला बाजार सेंसेक्स 137 अंक चढ़ा

मुंबई(एजेंसी)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त से साथ खुले। सुबह 9:30 तक सेंसेक्स 137 अंक या 0.19 प्रतिशत बढ़कर 74,081 अंक पर और निफ्टी 25 अंक या 0.10 प्रतिशत बढ़कर 22,554 अंक पर था। खबर लिखे जाने तक एनएसई पर 1,362 शेयर हरे निशान में और 594 लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। निफ्टी मिडकैप 100 सूचकांक 115 अंक या 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 51,952 अंक पर और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांक 136 अंक या 0.80 प्रतिशत गिरकर 16,815 अंक पर था। सेक्टर के हिसाब से देखें तो ऑटो, वित्तीय सेवा, फार्मा और निजी बैंक लाल निशान में हैं, जबकि आईटी, पीएसयू बैंक, एफएमसीजी, धातु, रियल्टी, एनर्जी, इन्फ्रा और कमोडिटी सूचकांक हरे निशान में हैं। सेंसेक्स के 30 में से 17 शेयर लाल निशान में हैं। रिलायंस, एनटीपीसी, एचयूएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स और इन्फोसिस में सबसे ज्यादा तेजी रही। सन फार्मा, भारती एयरटेल, एसबीआई, मारुति सुजुकी और जेएसडब्लू स्टील में सबसे ज्यादा गिरावट रही। एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार हो रहा है।

आईपीएल 2024 के फाइनल में पहुंची कोलकाता

हैदराबाद को 8 विकेट से हराया

अहमदाबाद(एजेंसी)। यहां के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मंगलवार को कप्तान श्रेयस अय्यर (58*) और वेंकटेश अय्यर (51*) के नाबाद अर्धशतकों की बदौलत कोलकाता नाइट राइडर्स ने क्वालीफायर 1 में सनराइजर्स हैदराबाद पर आठ विकेट से जीत दर्ज कर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के फाइनल में जगह बनाई। हैदराबाद के पास फाइनल में केकेआर से भिड़ने का एक और मौका होगा, क्योंकि उनका अगला मुकाबला शुक्रवार को चेन्नई में राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच होने वाले एलिमिनेटर मैच के विजेता से होगा। 160 रनों का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज और सुनील नरेन ने केकेआर को पावरप्ले ओवरों में शानदार शुरुआत दी। उन्होंने 10 रन प्रति ओवर से अधिक की रन रेट से रन बनाए। चौथे ओवर में टी. नटराजन के आउट होने से पहले पहले विकेट की साझेदारी 20 गेंदों में 44 रन तक चली। तेज गेंदबाज ने गुरबाज को 23 के स्कोर पर आउट कर टीम को लक्ष्य का पीछा करते हुए जबरदस्त शुरुआत के बाद खेल में वापस ला दिया। वेंकटेश अय्यर बीच में नरेन के साथ शामिल हो गए और उन्होंने 23 रन जोड़कर गति जारी रखी, इससे पहले कि पैट कमिंस ने पावरप्ले के तुरंत बाद अपने पहले ओवर में नरेन (21) को आक्रमण में शामिल कर लिया। श्रेयस अय्यर नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने आए और टीम के लिए मैच जीतने वाली साझेदारी बनाई, जिससे उन्हें 38 गेंद शेष रहते हुए लक्ष्य का पीछा करने में मदद मिली। श्रेयस (58*) और वेंकटेश (51*) ने तीसरे विकेट के लिए नाबाद 97 रन की साझेदारी की और सफल रन-चेज के दौरान अपने व्यक्तिगत अर्द्धशतक भी बनाए। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाने के लिए चार-चार छक्के और पांच-पांच चौके लगाए। इससे पहले, केकेआर ने पहले बल्लेबाजी करने के फैसले के बाद सनराइजर्स हैदराबाद को 19.3 ओवर में 159 रन पर रोक दिया। हैदराबाद को मैच की आदर्श शुरुआत नहीं मिली, क्योंकि उसने आक्रामक सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड को एक बार फिर शून्य पर खो दिया। पावरप्ले के अंदर हालात काफी खराब हो गए, क्योंकि उन्होंने पहले छह ओवरों में तीन और विकेट खो दिए। तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क शानदार प्रदर्शन कर रहे थे और उन्हें पावरप्ले में चार में से तीन विकेट मिले। अभिषेक शर्मा (3), नितीश रेड्डी (9) और शाहबाज अहमद (0) को सस्ते में आउट कर दिया गया, क्योंकि हैदराबाद के बल्लेबाज उच्च दबाव वाले खेल में लड़खड़ा गए।

नेपाल ने गुणवत्ता संबंधी चिंताओं के कारण भारतीय मसाला उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया

काठमांडू(एजेंसी) । सिंगापुर और हांगकांग के बाद, नेपाल ने भी कथित गुणवत्ता संबंधी चिंताओं को लेकर भारतीय कंपनियों के कुछ मसाला उत्पादों के आयात और बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। नेपाल के खाद्य प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता नियंत्रण विभाग के अनुसार, एमडीएच और एवरेस्ट के चार मसाला उत्पादों को संदिग्ध एथिलीन ऑक्साइड या ईटीओ विकार के कारण शुक्रवार से प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके तहत एमडीएच के मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला पाउडर और मिश्रित मसाला करी पाउडर तथा एवरेस्ट के फिश करी मसाला पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। विभाग ने शुक्रवार को जारी एक नोटिस में कहा, चूंकि इन चार उत्पादों में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक पाई गई है, इसलिए खाद्य विनियमन 2027 बीएस के अनुच्छेद 19 के अनुसार देश के भीतर इन उत्पादों के आयात और बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। नोटिस में कहा गया, हमारा ध्यान उन मीडिया रिपोर्ट पर गया, जिनमें बाजार में इन घटिया उत्पादों की बिक्री और इनके उपभोग के लिए हानिकारक होने के बारे में बताया गया था। खाद्य गुणवत्ता नियंत्रण निगरानी संस्था ने आयातकों और व्यापारियों से इन उत्पादों को बाजार से वापस लेने का भी आग्रह किया है। पिछले महीने, सिंगापुर और हांगकांग ने कैंसर से जुड़े कुछ ईटीओ के संदिग्ध ऊंचे स्तर का हवाला देते हुए एमडीएच और एवरेस्ट के कुछ मसालों की बिक्री रोक दी थी।

खराब मौसम के कारण उड़ान का मार्ग बदलने से वाराणसी में रात रूके केकेआर के खिलाड़ी

नई दिल्ली(एजेंसी)।। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाड़ियों की लखनऊ से कोलकाता की उड़ान खराब मौसम के कारण बाधित होने से उन्हें रात वाराणसी में गुजारनी पड़ी। लखनऊ सुपर जाइंट्स को रविवार को 98 रन से हराने के बाद श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम सोमवार की शाम कोलकाता के लिये रवाना हुई । टीम को 7 बजकर 25 मिनट पर कोलकाता पहुंचना था । चार्टर्ड उड़ान को पहले गुवाहाटी की ओर रवाना किया गया और फिर वाराणसी मोड़ा गया । खराब मौसम के कारण कोलकाता में विमान का उतरना असंभव था । केकेआर मीडिया टीम ने रात पौने नौ बजे बताया कि कोलकाता में खराब मौसम के कारण केकेआर की चार्टर्ड उड़ान को गुवाहाटी मोड़ दिया गया । इसके एक घंटे बाद कहा गया कि कोलकाता उड़ाने के लिये हरी झंडी मिल चुकी है लेकिन फिर मौसम अनुकूल नहीं होने के कारण उसे वाराणसी की ओर मोड़ दिया गया । रात एक बजकर 15 मिनट पर जारी अपडेट में कहा गया , उड़ान गुवाहाटी से कोलकाता जानी थी लेकिन खराब मौसम के कारण रात 11 बजे नहीं उतर सकी । खराब मौसम के कारण सारे प्रयास नाकाम रहे और अब वाराणसी की ओर । अभी अभी यहां उतरे हैं । केकेआर टीम रात में वाराणसी रूकने के बाद दोपहर में कोलकाता रवाना होगी ।

भारतीय मूल के इस शख्स का अमेरिका में भी बजा डंका सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले दूसरे सीईओ बने

वाशिंगटन(एजेंसी)। भारत में जन्मे पालो ऑल्टो नेटवर्क्स के सीईओ निकेश अरोड़ा को 2023 में अमेरिका के दूसरे सबसे अधिक वेतन पाने वाले सीईओ का दर्जा दिया गया है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल द्वारा प्रकाशित एक विश्लेषण के अनुसार, कुल 17 भारतीय मूल के सीईओ शीर्ष 500 रैंकिंग में हैं। एडोब के शांतनु नारायण दूसरे सबसे अधिक वेतन पाने वाले भारतीय मूल के सीईओ हैं, जो कुल मिलाकर 11वें स्थान पर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अरोड़ा और नारायण ने क्रमश: 151.43 मिलियन डॉलर और 44.93 मिलियन डॉलर कमाए, जो टेस्ला के एलन मस्क की कमाई से अधिक है, जिन्हें 2023 में कोई मुआवजा नहीं मिला। समीक्षाधीन अवधि के दौरान मेटा के मार्क जुकरबर्ग ने 24.40 मिलियन डॉलर कमाए, जबकि भारत में जन्मे अल्फाबेट के प्रमुख सुंदर पिचाई ने 8.80 मिलियन डॉलर कमाए। दिल्ली के एयर फोर्स पब्लिक स्कूल में पढ़े अरोड़ा ने पहली बार गूगल में मुख्य व्यवसाय अधिकारी के रूप में दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। उन्होंने 2014 में सॉफ्टबैंक के प्रमुख का पद मुआवजा लेकर छोड़ दिया था। इसे जापान के लिए एक रिकॉर्ड कहा गया था। अरोड़ा 2018 से साइबर सुरक्षा कंपनी पालो ऑल्टो नेटवर्क्स का नेतृत्व कर रहे हैं। पालो ऑल्टो नेटवर्क्स में उनके मुआवजे में ज्यादातर इक्विटी पुरस्कार शामिल हैं और इनमें तीन वर्षों में दिए गए शेयर शामिल हैं। नारायण, जिनका जन्म और पालन-पोषण हैदराबाद में हुआ, 1998 में कंपनी में शामिल होने के बाद 2007 से एडोब के सीईओ हैं। ब्रॉडकॉम के हॉक टैन 162 मिलियन डॉलर की कमाई के साथ इस सूची में शीर्ष पर हैं। भारतीय अमेरिकियों में तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर माइक्रोन टेक्नोलॉजी के संजय मल्होत्रा (63वें, 25.28 मिलियन डॉलर), एनसिस के अजेय गोपाल (66वें, 24.63 मिलियन डॉलर) और वर्टेक्स फार्मास्यूटिकल्स की रेशमा केवलरमानी (118वें, 20.59 मिलियन डॉलर) थे। अन्य में आईबीएम के अरविंद कृष्णा (123वें, 20.40 मिलियन डॉलर), एनफेज एनर्जी के बद्रीनारायण कोठंडारमन (135वें, 19.53 मिलियन डॉलर), लिंडे के संजीव लांबा (143वें, 9.20 मिलियन डॉलर), एमर्सन इलेक्ट्रिक के सुरेंद्रलाल करसनभाई (158वें, 18.32 मिलियन डॉलर), कैडेंस डिजाइन सिस्टम्स के अनिरुद्ध देवगन (172वें, 17.34 मिलियन डॉलर), वेलफ्लॉवर के शंख मित्रा (174वें, 17.20 मिलियन डॉलर), रियल्टी इनकम के सुमित रॉय (268वें, 13.13 मिलियन डॉलर), कीसाइट टेक्नोलॉजीज के सतीश धनसेकरन (319वें, 10.75 मिलियन डॉलर), रेविटी के प्रह्लाद सिंह (357वें, 9.13 मिलियन डॉलर), अल्फाबेट के सुंदर पिचाई (364वें, 8.80 मिलियन डॉलर), वाटर्स के उदित बत्रा (367वें, 8.74 मिलियन डॉलर) और नॉर्डसन के सुंदरराजन नागराजन (389वें, 6.98 मिलियन डॉलर) शामिल हैं।

मलेशिया मास्टर्स के दूसरे राउंड में पहुंची सिंधु

कुआलालम्पुर(एजेंसी)। दो बार की ओलम्पिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने स्कॉटलैंड की कर्स्टी गिलमूर को बुधवार को सीधे गेमों में हराकर मलेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधु ने विश्व की 22वें नंबर की स्कॉटलैंड की खिलाड़ी को 21-17, 21-16 से हराया। सिंधु 2013 और 2016 में मलेशिया मास्टर्स खिताब जीत चुकी हैं। 28 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी का वर्ष का यह सातवां टूर्नामेंट है। वह फरवरी में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में चोटिल होने के बाद से कोर्ट पर लौटी हैं। उन्होंने पेरिस ओलम्पिक की तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए हाल में उबेर कप और थाईलैंड ओपन में हिस्सा नहीं लिया था। मिश्रित युगल में बी. सुमित रेड्डी और एन सिक्की रेड्डी ने हांगकांग की लुई चुन वेई और फू ची यान को 21-15, 12-21, 21-17 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया।

एचडीएफ़सी बैंक ने मध्य भारत और महाराष्ट्र की 600 शाखाओं में मेगा कार लोन मेला आयोजित किया

मुंबई: भारत के निजी क्षेत्र की अग्रणी बैंक एचडीएफ़सी बैंक ने आज घोषणा की हैं कि उसने मध्य भारत और महाराष्ट्र की 600 शाखाओं में एक मेगा कार लोन मेला आयोजित किया है। यह तीन दिवसीय पहल 22 से 24 मई 2024 तक आयोजित की गई है। बैंक की मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों से, जिसमें नासिक, औरंगाबाद और विदर्भ डिवीजन शामिल हैं, इस तीन दिवसीय अभियान में हिस्सा ले रहे है । बैंक ने कई कार डीलरशिप के साथ साझेदारी की है, जिन्होंने प्रमुख ऑटोमोबाइल ब्रांडस के नवीनतम कार मॉडल प्रदर्शित किए हैं। इस पहल के माध्यम से ग्राहकों को उनकी पात्रता के अनुसार ऑन-द-स्पॉट ऋण मंजूर किया जाएगा साथ ही साथ वे वाहनों की टेस्ट ड्राइव भी ले सकेंगे । श्री अखिलेश कुमार रॉय, बिजनेस हेड - ऑटो लोन और इन्वेंटरी फंडिंग, एचडीएफ़सी बैंक ने कहा, हम मध्य भारत और महाराष्ट्र में अपने उपभोक्ताओं के लिए कार लोन मेला पेश करके खुश हैं। यह ऋण मेला उपभोक्ताओं को हमारे आसान वित्त विकल्पों का अधिकतम लाभ उठाने का मौका देता है। विभिन्न प्रकार की पुनर्भुगतान कॉन्फ़िगरेशन और न्यूनतम कागजी कार्रवाई कार खरीद के इस अवसर को और भी अधिक सहज बनाने में मदद करेगी। 31 मार्च 2024 को एचडीएफ़सी बैंक की ऑटो लोन बुक 1.31 लाख करोड़ रुपये थी। इसकी 52त्न शाखाएँ अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मौजूद हैं। पूरे देश में बैंक का कुल वितरण नेटवर्क 4,065 कस्बो में हैं द्य बैंक की 8,738 शाखाएँ और 20,938 एटीएम हैं। इसके अलावा, बैंक के पास 15,182 बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट्स हैं, जो मुख्य रूप से सामान्य सेवा केंद्रों द्वारा संचालित होते हैं, जो इसकी पेशकशों को भीतरी क्षेत्रों तक ले जाते हैं।

गंडई में सवाना सीड्स और एडमा इंडिया ने लॉन्च किया फुलपेज राइस क्रॉपिंग सॉल्यूशन

बिलासपुर: छत्तीसगढ़ में धान की खेती करने वाले किसानों के लिए करगा एक मुख्य समस्या बना हुआ है। धान की मुख्य फसल के साथ उगने वाले इस जंगली धान की वजह से यहां के किसानों को काफी नुकसान उठना पड़ता है। करगा की समस्या से किसानों को निजात दिलाने व विकसित भारत और टिकाऊ कृषि के दृष्टिकोण के अनुरूप, बुधवार को छत्तीसगढ़ के गंडई में सवाना सीड्स और एडमा इंडिया ने संयुक्त रूप से फुलपेज राइस क्रॉपिंग सॉल्यूशन लांच किया। फुलपेज राइस क्रॉपिंग सॉल्यूशन न सिर्फ खेतों में धान के साथ उगने वाले जंगली पौधों करगा को नियंत्रित करेगा बल्कि प्रति एकड़ लगभग 6000 से 8000 रुपये की महत्वपूर्ण लागत बचत भी प्रदान करेगा। धान की खेती की यह नई तकनीक परंपरागत डीसीआर प्रणाली की तुलना में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 25-30त्न तक कम करती है। यह छत्तीसगढ़ में 60 लाख एकड़ में धान की खेती करने वाले किसानों के लिए एक वरदान है। सवाना सीड्स अग्रणी वैश्विक फसल सुरक्षा कंपनी, एडमा इंडिया के सहयोग से भारतीय बाजार में लॉन्च किये गए फुलपेज राइस क्रॉपिंग सॉल्यूशन का अधिक से अधिक लाभ किसानों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सीधे बीज वाले चावल (डीएसआर) के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया, फुलपेज राइस क्रॉपिंग सॉल्यूशन स्मार्टराइस जेनेटिक्स, स्क्राड बीज उपचार, फुलपेज अद्वितीय आईएमआई हर्बिसाइड टॉलरेंस विशेषता और एडमा के वेज़िर हर्बिसाइड की विशेषताओं को संयुक्त रूप से एक साथ सम्मिलित करता है। धान की एक व्यापक फसल प्रणाली के रूप में, फुलपेज राज्य में धान की खेती को एक नया लाभकारी स्वरूप प्रदान करने की पेशकश करता है। इसके पहले इस तकनीक को छत्तीसगढ़ बेमतारा में एक भव्य कार्यक्रम में लांच किया गया था।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शुक्रवार 24 मई 2024

छग में 12 से 15 मई के बीच आ सकता है मानसून

रायपुर (विसं)। प्रदेश में इस समय भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। बुधवार की शाम अचानक मौसम का मिजाज बदला और करीब आधे घंटे तक झमाझम बारिश हुई। इसके बाद मौसम सामान्य हो गया। गुरुवार सुबह से ही आसमान में चटख धूप निकली रही। वहीं दूसरी ओर मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ में इस वर्ष 12 से 15 जून के मध्य मानसून आगमन की भविष्यवाणी की है। हालांकि इसके पूर्व प्री-मानसून की फुहारें भी पड़नी शुरु हो सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

ग्राम भैंसबोड में तालाब में डूबने से दो बच्चों की हुई थी मौत, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने घर जाकर दी श्रद्धांजलि

कवर्धा (विश्व परिवार)। ग्राम भैंसबोड में एक ही परिवार के दो छोटे बच्चे खेलते खेलते तालाब पहुँच गए। जहाँ डूबने से उनकी मौत हो गई। मंगलवार को भैंसबोड हादसे में मृत रागनी और अभिषेक के परिवार से मिलकर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने श्रधांजलि अर्पित कर परिजनों को ढाँढस बंधाया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक एवं उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने परिवार को 50 हजार रुपये आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने कहा बहुत पीड़ा देने वाला क्षण है दो छोटे छोटे बच्चे दुर्घटना में अपने परिवार से दूर चले गए। माता पिता के लिए यह सबसे कठिन समय है ईश्वर इस दु:ख के समय परिवार को संबल प्रदान करें।

मनोहर गौशाला पहुंचे वन मंडल के अधिकारी, रिसर्च की सराहना की

रायपुर (विश्व परिवार)। मनोहर गौशाला खैरागढ़ में बुधवार को वनमंडल अधिकारी खैरागढ़ आलोक कुमार तिवारी पहुंचे। उन्होंने कामधेनू माता के दर्शन किए। साथ ही यहां चल रहे रिसर्च की संपूर्ण जानकारी ली। उन्होंने गौशाला में मवेशियों के लिए की गई व्यवस्था पर सराहना व्यक्त की। उन्हें गौ सेवक चमन डाकलिया ने गाय एक वरदान पुस्तक भेंट की। इस अवसर पर उनके साथ मोना महेश्वरी संयुक्त वनमंडल अधिकारी खैरागढ़, अमृत लाल खुटे उप वनमंडल अधिकारी गंडई, रमेश कुमार टंडन वन परिक्षेत्र अधिकारी खैरागढ़, अशोक वैष्णव वन परिक्षेत्र अधिकारी छुईखदान, सलीम कुरैशी परिक्षेत्र अधिकारी गंडई साल्हेवारा, कैलाश कुमार सिंह वनपाल परिक्षेत्र सहायक खैरागढ़ मौजूद रहे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राजनांदगांव, दुर्ग और महासमुंद में मतगणना की तैयारियों का लिया जायजा

स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, मतगणना कक्षों का किया निरीक्षण ● निर्बाध और सुव्यवस्थित मतगणना के लिए अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने आज राजनांदगांव, दुर्ग और महासमुंद का दौरा कर आगामी 4 जून को होने वाली मतगणना की तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने तीनों जिला मुख्यालयों में स्ट्रांग-रूम में रखे ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मतगणना हेतु तैयार किए जा रहे मतगणना कक्षों का अवलोकन किया। श्रीमती कंगाले ने निर्बाध और सुव्यवस्थित मतगणना के लिए मतगणना स्थल पर विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रश्मि वर्मा और दुर्ग संभाग के आयुक्त श्री सत्यनारायण राठौर सहित तीनों जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक, उप जिला निर्वाचन अधिकारी तथा सहायक रिटर्निंग अधिकारी भी इस दौरान उपस्थित थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने तीनों जिलों में विधानसभावार मतगणना कक्षों, उम्मीदवारों एवं उनके गणना अभिकर्ताओं की बैठक व्यवस्था, प्रवेश पास, सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से मॉनिटरिंग, मतगणना के दिन वीडियोग्राफी, सुरक्षा व्यवस्था, बैरीकेडिंग, डाक मतपत्रों तथा वीवीपैट पर्ची की गिनती की व्यवस्था, मीडिया सेंटर तथा उद्घोषणा स्थल का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि मतगणना हॉल में मोबाइल फोन, आईपेड, लैपटॉप, स्मार्ट वॉच, कैमरा एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित रहेगा। मीडिया प्रतिनिधि मीडिया सेंटर तक मोबाइल ले जा सकते हैं। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों को छोटे-छोटे समूहों में मतगणना कार्य का अवलोकन कराने निर्देशित किया। श्रीमती कंगाले ने मतगणना स्थल और मतगणना कक्षों की ड्राइंग-डिजाइन का अवलोकन कर निर्वाचन अभिकर्ताओं की सुविधा के लिए इसे मतगणना स्थल में प्रदर्शित करने के निर्देश दिए जिससे अभिकर्ता अपने निर्धारित मतगणना कक्ष तक सुगमता से पहुंच सके। उन्होंने मतगणना स्थल में विधानसभावार मतगणना कक्ष तक पहुंचने के लिए बनाए गए मार्गों का भी अवलोकन किया।

श्रीमती कंगाले ने तीनों जिले में मतगणना स्थलों पर सहायक रिटर्निंग ऑफिसर्स (एआरओ) से चर्चा कर मतगणना के लिए टेबलों की व्यवस्था के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने वोटों की गिनती के लिए कंट्रोल यूनिट को स्ट्रांग-रूम से मतगणना कक्ष तक लाने और वापस ले जाने की व्यवस्था के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने स्ट्रांग-रूम के बाहर मौजूद राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से चर्चा कर स्ट्रांग-रूम की सुरक्षा व मॉनिटरिंग व्यवस्था तथा मतगणना स्थल पर इंतजामों के संबंध में फीडबैक भी लिया। इन पर दलों के प्रतिनिधियों ने सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता बताते हुए संतुष्टि जताई। उल्लेखनीय है कि लोकसभा आम निर्वाचन-2024 के लिए प्रदेश में तीन चरणों में डाले गए वोटों की गिनती आगामी 4 जून को सभी संबंधित जिला मुख्यालयों में होगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को किर्गिस्तान में फंसी लड़की ने वीडियो जारी कर किया धन्यवाद

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया में शेयर कर कही ये बात

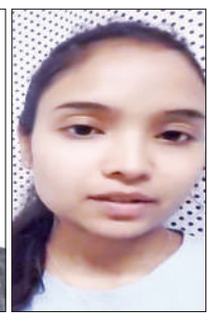

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को गुरुवार को किर्गिस्तान में फंसी छत्तीसगढ़ की छात्रा ने उससे संपर्क कर वहां फंसे सभी विद्यार्थियों का हाल चाल जानने के लिए एक वीडियो के माध्यम से धन्यवाद किया है। सीएम साय ने छात्रा के इस वीडियो को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्वीटर) पर शेयर किया है।

सीएम साय ने छात्रा के वीडियो को शेयर करते हुए लिखा है, कि मैंने अपना कर्तव्य निभाया। भारत सरकार किर्गिस्तान सरकार के साथ सतत संपर्क में है। बच्चों के हितों की सुरक्षा ही हमारा ध्येय है।

क्या है पूरा मामला : दरअसल, किर्गिस्तान में मिस्त्र की छात्राओं से छेड़छाड़ की घटना के बाद विवाद शुरू हुआ है, जिसको लेकर स्थानीय छात्र हिंसक हो गए और खासकर भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के छात्रों के साथ हिंसा कर रहे हैं। इसके चलते वहां तनाव के हालात हैं। किर्गिस्तान में भारत के 17 हजार विद्यार्थी मेडिकल और अन्य विषयों की पढ़ाई कर रहे हैं, जिनमें से छत्तीसगढ़ के लगभग 70-80 विद्यार्थी हैं।

जिसके बाद छात्रा ने वीडियो शेयर कर कहा, कि मै शिवानी तंबोली, छत्तीसगढ़ के जांजगिर जिले से हूँ। अभी मैं किर्गिस्तान के बिश्केक में चौंथे साल की पढ़ाई कर रही हूँ। हाल ही में अभी कुछ इंसीडेंट हुआ था बिश्केक में, जिसकी वजह से छत्तीसगढ़ से 70-80 विद्यार्थी यहां फंसे हुए हैं, जिनमें 20 विद्यार्थी जांजगिर से हैं। अभी यहां का माहौल इतना खराब है, कि हम बच्चे निकल नहीं पा रहे हैं। हमको घर जाना है। हमने अपनी समस्या धीरे-धीरे भारत सरकार तक पहुंचाई, तो हमारे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी ने मुझसे संपर्क किया। उन्होंने फोन पर हमारा हाल चाल जाना। इसके लिए मैं उन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद बोलना चाहती हूँ।

स्वदेशी खादी महोत्सव का शुभारंभ विधायक पुरन्दर मिश्रा (उत्तर विधानसभा) द्वारा किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। 'स्वदेशी में समर कलेक्शन की भरमार' स्थानी छत्तीसगढ़ हाट, पंडरी, रायपुर में स्वदेशी खादी महोत्सव का भव्य शुभारंभ हो रहा हैं, जिसमें भीषण गर्मी और कड़ाके की धूप को देखते हुए समर कलेक्शन का ज्यादा रेंज रखा गया है। इस प्रदर्शनी में अन्य उपयोगी वस्तुओं के साथ-साथ मेरठ के खादी कुर्ते, सूती साड़ीया, सूती सूट, तोलिया, कुर्ते- पजामे, क्रोकरी, कारपेट, फर्नीचर पीतल की मूर्तियां सहित हजारों वस्तुओं का अपार संग्रह एक ही छत के नीचे छत्तीसगढ़ हाट पंडरी में शहरवासियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना है। प्रदर्शनी सीमित दिनों तक के लिए है प्रदर्शनी का समय सुबह 11:00 से लेकर के रात्रि के 10:00 बजे तक है संचालक अनुराग मिश्रा ने आह्वान किया है कि अधिक से अधिक संख्या में आए और प्रदर्शनी में मिल रहे हथकरघा /हस्तशिल्प उत्पादों के साथ-साथ विशेष छूट का लाभ उठाएं। हथकरघा की वस्तुओं पर 10 प्रतिशत तथा हस्तशिल्पी वस्तुओं पर 20 प्रतिशत तक की विशेष छूट दी जा रही है। साथ ही सभी क्रेडिट कार्ड मान्य हैं।

कांग्रेस के आरक्षण खत्म करने वाले पोस्ट पर डिप्टी सीएम का पलटवार

आरक्षण खत्म करने की बातें निराधार, जनता सब समझती है : विजय शर्मा

रायपुर (विश्व परिवार)। कांग्रेस के आरक्षण वाले सोशल वॉर पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि संविधान के आधार पर चलने वाले बीजेपी की सरकार संशोधन किसके कार्यकाल में अधिक इतिहास देखें हुए हैं. अगर संविधान में बदलाव का मसला है तो सीएए और सीसी में है. अब जो बातें हैं संविधान खत्म करना, आरक्षण खत्म करना निराधार बातें है. जनता सब समझती है. इसके साथ ही उन्होंने अन्य मुद्दों पर भी बयान दिया है।

छत्तीसगढ़ सरकार नक्सल पुनर्वास नीति में बदलाव करने जा रही है. जिसके तहत उन्हें कई सारी सुविधाएं दी जाएगी. वहीं नक्सलियों के पुनर्वास नीति को अपग्रेड किये जाने पर डिप्टी सीएम और गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि कोशिश की जा रही है, कहते हैं कोशिश करने वालों की हार नहीं होती. इसलिए यह प्रयास किया जा रहा है. छत्तीसगढ़ की पुनर्वास नीति अच्छी है लेकिन उसमें और सुधार कर रहें हैं. मुख्यमंत्री के दिशा निर्देश में पूरी प्रक्रिया के साथ और अच्छा कराने का प्रयास करेंगे ताकि युवा इस दिशा में न जाए. लोगों का विश्वास सरकार पर बढ़े इस पर प्रयास किया जा रहा है।

पोस्टरों को लेकर कहा विजय शर्मा ने कहा कि इंडी गठबंधन में पोस्टर भी हावी हो जाता है. उनके मनोबल में कमी होगी. इसलिए पोस्टर भी हावी हो जा रहा है. जनता तक विषय पहुंचाने के अपने-अपने तरीके होते हैं. जिन तरीकों का उन्होंने पहले अभ्यास किया है. इस पर उन्हें चिंता करनी चाहिए. पीएम मोदी पर राजनीति करते हैं. मोदी जी को कहा सिर फोड़ देंगे, ऐसे थोड़ी बात होती है. अधिक गड़बड़ियां है इसलिए अधिक तस्वीरें हैं।

इलेक्शन कमीशन के बीजेपी को धर्म के आधार पर वोट मांगने और कांग्रेस को संविधान बदलने को लेकर नोटिस भजने पर विजय शर्मा ने कहा, कोई मुझे बता दे कैसे हो रही है. किसी राज्य के लिए यह कैसे संभव होगा कि वह धर्म के आधार पर आरक्षण दे और उसके लिए राम मंदिर बनाने की बात न करे? किर्गिस्तान में फंसे छात्रों से बातचीत पर कहा कि छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में रहने वाले छात्रों से व्यक्तिगत बातचीत हुई. सबके पास मेरा और लोगों का नंबर है वो सुरक्षित है. मुख्यमंत्री ने भी उनकी चिंता की उनका मार्गदर्शन है. सब से बात की गई है अलग से नंबर जारी नहीं किया गया है।

ओडिशा में नशे के खिलाफ कार्रवाई पर डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा कि पहले बीजेपी की सरकार बन जाए. जैसे ही सरकार बनेगी, कार्रवाई की जाएगी। मालवाहक गाड़ियों को लेकर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मसला पालन का नहीं है. गांव में गाड़ियां उपलब्ध है. यह जनजागरण का विषय है. लोग आपसी बातचीत करके किफायती गाड़ियों का उपयोग करते हैं. गाड़ियों के फिटनेस के लिए बात हुई है, इसमें विभाग बात कर रहा है।

सरकार बताये नक्सलियों से सुझाव मांगने के पहले कोई वार्तालाप हुआ क्या : कांग्रेस

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने सवाल खड़ा किया

रायपुर (आरएनएस)। भाजपा सरकार द्वारा नक्सलियों से पुनर्वास नीति के तहत सुझाव मांगने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि नक्सलवाद को लेकर सरकार दिग्भ्रमित है। सरकार को यह समझ ही नहीं आ रहा है उसे करना क्या है? अभी तक सरकार ने 5 महिने में कोई नक्सल नीति नहीं बनाई है। पूर्ववर्ती सरकार की नीति जो पूरी तरह से सफल थी विश्वास, विकास, सुरक्षा की नीति को भाजपा सरकार ने खारिज कर दिया है। पुरानी नीति खारिज करने के बाद अभी तक वर्तमान सरकार ने नक्सलवाद को लेकर अपनी कोई नीति घोषित नहीं किया है। सरकार पुनर्वास नीति लेकर आये उसके पहले नक्सल नीति तो घोषित किया जाये। जब नक्सल नीति घोषित करेंगे तब पुनर्वास नीति बनेगी, यह उसका अंश है। अभी नक्सल नीति नहीं बनाई है और दावा कर रहे पुनर्वास नीति लेकर आयेंगे। ये अनिर्णय वाली स्थिति से इस गंभीर समस्या का समाधान नहीं हो सकता।

सरकार बताये कि पुनर्वास नीति के लिये सुझाव मांगने से पहले सरकार की नक्सलियों से कोई वार्तालाप हुआ है क्या? सुझाव मांगने के पहले परस्पर विश्वास का वातावरण बनाया जाना चाहिये, सरकार ने ऐसा कोई पहल किया है क्या, यदि किया है तो नक्सलियों की तरफ से क्या कोई सकारात्मक जवाब आया? दोनों पक्षों में नीति बनने तक युद्ध विराम (शांति की पहल) पर कोई सहमति बनी है क्या? यदि बनी है तो सरकार उसको सार्वजनिक करें।

सरकार के द्वारा मांगे गये सुझाव के दौरान यदि उधर से कोई वारदात हो गयी तो सरकार का उस बारे में क्या योजना है? सरकार की यह पहल एकतरफा है या दूसरा पक्ष भी इससे सहमत है, सरकार को इसको भी स्पष्ट करना चाहिये। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का स्पष्ट मानना है कि राज्य में शांति की स्थापना होनी चाहिये। हिंसा पर विराम लगना ही चाहिये। नक्सलवाद एक संवेदनशील मसला है।

कलिंगा विश्वविद्यालय में 'आज के परिदृश्य में सोशल मीडिया के प्रभाव' पर सेमिनार

रायपुर (विश्व परिवार)। 18 मई 2024 को कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर ने 'आज के परिदृश्य में सोशल मीडिया के प्रभाव' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया, जिसमें रायपुर के प्रसिद्ध फूड ब्लॉगर श्री आदर्श मिश्रा और श्री पीयूष के रॉय शामिल हुए।

विश्वविद्यालय के सभागार में सभी गणमान्य व्यक्तियों, शिक्षकों और विभिन्न विद्यालयों के छात्रों का पारंपरिक तिलक समारोह के साथ स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर और विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर हुई। वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय की प्रमुख श्रीमती शिंकी के पांडे ने स्वागत भाषण दिया। कुलपति डॉ. संदीप गांधी ने इस अवसर पर सभी का अभिवादन किया और कलिंगा विश्वविद्यालय का परिचय दिया, जिसने उपस्थित लोगों को विश्वविद्यालय के लोकाचार और अकादमिक संरचनाओ एवं विकास की मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की।

इस सेमिनार का उद्देश्य समकालीन समय में सोशल मीडिया के गहन प्रभावों का पता लगाना था, जो क्षेत्र के विशेषज्ञों से अंतर्दृष्टि और दृष्टिकोण प्रदान करता है। श्री आदर्श मिश्रा ने एक फूड ब्लॉगर के रूप में अपनी यात्रा और खाद्य उद्योग में क्रांति लाने में सोशल मीडिया की भूमिका को साझा किया। श्री पीयूष के. रॉय ने सोशल मीडिया के रुझानों और स्थानीय समुदायों और व्यवसायों पर उनके प्रभावों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया। यह सेमिनार सभी उपस्थित लोगों के लिए एक विचारोत्तेजक अनुभव साबित हुआ, जिसमें सोशल मीडिया के निरंतर बदलते क्षेत्र के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की गई।

इस अवसर पर, कलिंगा विश्वविद्यालय ने अपनी सेल्फ़ी विद कलिंगा प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा भी की। विजेताओं में श्री संजय कुमार - एमबीए द्वितीय सेमेस्टर (प्रथम पुरस्कार), श्री एल जोएल डेविड - बीबीए द्वितीय सेमेस्टर (द्वितीय पुरस्कार) और श्री अभिषेक सिंह - एमसीए द्वितीय सेमेस्टर को उनकी प्रतिभा के लिए प्रमाण पत्र के साथ क्रमशः 10, 000 रुपये, 7, 500 रुपये और 5, 000 रुपये का पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम के दौरान विजेताओं के काम को प्रदर्शित किया गया।

वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय की प्रमुख श्रीमती शिंकी के. पांडे एवं श्री सात्विक जैन- सहायक प्रोफेसर समारोह के संचालक थे। कार्यक्रम का समापन सुश्री दिशा जैन द्वारा हार्दिक %धन्यवाद ज्ञाप% के साथ हुआ। इस अवसर पर श्री अभिषेक शर्मा, प्रवेश एवं विपणन निदेशक, श्री जे विशाल, मोहम्मद तौकीर शेख, श्री सुमित चटर्जी, लेफ्टिनेंट विभा चंद्राकर -प्रभारी छात्र कल्याण डीन, श्री शेख अब्दुल कादिर- उप छात्र कल्याण डीन, सुश्री निकिता जोशी- सहायक, छात्र कल्याण डीन और अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

रायपुर, छत्तीसगढ़ में स्थित कलिंगा विश्वविद्यालय, शिक्षा, शोध और नवाचार में उत्कृष्टता के लिए समर्पित एक प्रमुख संस्थान है। शैक्षणिक विकास और सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध, कलिंगा विश्वविद्यालय समग्र छात्र विकास के उद्देश्य से विविध प्रकार के कार्यक्रम और पाठ्येतर गतिविधियाँ प्रदान करता है।

एनटीपीसी कोरबा ने बालिका सशक्तिकरण मिशन 2024 का किया उद्घाटन

रायपुर (विश्व परिवार)। एनटीपीसी कोरबा ने 22 मई 2024 को श्री सी. शिवकुमार, कार्यकारी निदेशक (पश्चिम क्षेत्र-II, यूएसएससी और ऐश नई पहल) और श्रीमती सी. पदमजा, अध्यक्ष, अर्पिता महिला समिति का स्वागत किया।

श्री सी. शिवकुमार ने श्री सरित माहेश्वरी (परियोजना प्रमुख, कोरबा), श्री अर्नब मैत्रा (जीएम ओ एंड एम), श्री सोमनाथ बनर्जी (जीएम मेंटेनन्स) और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में बालिका सशक्तिकरण मिशन 2024 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर, काफिले ने कर्मचारी विकास केंद्र का दौरा किया जहां जीईएम गर्ल्स की कक्षाएं आयोजित की जाएंगी, ईटी हॉस्टल-जीईएम गर्ल्स का निवास स्थान, योग ग्राउंड और जीईएम लड़कियों के लिए भोजन क्षेत्र का दौरा किया। बालिका सशक्तिकरण मिशन 2024

के तहत इस वर्ष एनटीपीसी कोरबा 126 बालिकाओं को प्रशिक्षण देगा। इसके बाद, श्री सी. शिवकुमार और श्रीमती सी. पदमजा ने बैच 2024 की जीईएम गर्ल्स को किट भी वितरित कीं। लड़कियों के हर्षित चेहरों का मधुर जादू बालिका सशक्तिकरण मिशन कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए उनकी खुशी को दर्शाता है।

कार्यक्रम के अनुसार शाम को जीईएम 2024 के उद्घाटन समारोह के लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना के साथ हुआ।

श्री सी. शिवकुमार ने अपने भाषण के दौरान कहा कि लगभग 40 से अधिक स्थानों पर 7500 से अधिक लड़कियों को बालिका सशक्तिकरण मिशन द्वारा प्रशिक्षित किया गया है और एनटीपीसी अब 358 लड़कियों को उनकी उच्च शिक्षा के लिए वित्त पोषण कर रहा है। श्रीमती सी. पदमजा ने भी जीईएम गर्ल्स को उनके नए प्रयासों के उज्जवल भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया और आशीर्वाद दिया। सांस्कृतिक रात्रि का विषय महिला सशक्तिकरण था; इसलिए, बाल भवन, केंद्रीय विद्यालय नंबर 02 और अन्य प्रतिभागियों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन में इसी विषय पर नृत्य नाटक, गीत, नाटक और नृत्य रूपों का प्रदर्शन किया गया।

23 मई 2024 को, श्री सी. शिवकुमार और श्रीमती सी. पदमजा ने एनटीपीसी कोरबा में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराते हुए कावेरी भवन गेस्ट हाउस में वृक्षारोपण किया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354